यूक्रेन संकट के बीच पीएम मोदी ने सोमवार को अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन के साथ वर्चुअल बैठक की। इस बैठक में पीएम मोदी ने यूक्रेन में शांति कायम करने को लेकर भारत की ओर से की गई पहलकदमियों का जिक्र किया।

जनहितैषी

हिन्दी दैनिक

R.N.I. No. 63177/95 वर्ष:27 अंक: 118 दिनांक: 12-04-2022 मंगलवार मूल्य : 1 रूपया 50 पैसा पृष्ठ:4 अहमदाबाद M

केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय ने जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) में रामनवमी को छात्रों के दो गुटों के बीच हुई मारपीट की घटना की विस्तृत रिपोर्ट मांगी है।

पुतिन को दी जेलेंस्की से सीधे बातचीत करने की सलाह, बाइडन के साथ वर्चुअल बैठक में बोले पीएम मोदी

नई दिल्ली । प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन के साथ एक बैठक की। वर्चुअल माध्यम से हुई यह बैठक ऐसे समय हुई जब रूस और यूक्रेन के बीच भीषण लड़ाई चल रही है। यही नहीं समूचा वर्ल्ड आर्डर बदलाव की ओर अग्रसर है जिसके चलते कूटनीतिक पहलकदमियों की अहमियत बढ़ गई है। समाचार एजेंसी एएनआइ की रिपोर्ट के मुताबिक बैठक के दौरान अमेरिकी राष्ट्रपति बाइडन ने कहा कि यूक्रेन के लोग जो भीषण हमले का शिकार हो रहे हैं उनके लिए भारत की ओर से पहुंचाई गई मानवीय सहायता का मैं स्वागत करता हूं।

वहीं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि दुनिया के दो सबसे बड़े और पुराने लोकतंत्रों के रूप में हम नैसर्गिक पार्टनर हैं। बीते कुछ वर्षों में भारत और अमेरिका के बीच द्विपक्षीय रिश्तों में जो प्रगति हुई है... जो नया संवेग बना है एक दशक पहले उसकी कल्पना करना मुश्किल था। पिछले साल सिंतबर में जब मैं अमेरिका आया था तब बाइडन ने कहा था कि भारत और अमेरिका के बीच की दोस्ती ढेर सारी वैश्विक समस्याओं का समाधान खोजने में मददगार हो सकती है।

प्रधानमंत्री मोदी ने इस बातचीत में बूचा में हुई निर्दोष नागरिकों की हत्याओं का भी जिक्र किया। पीएम मोदी ने कहा कि हाल ही में बूचा शहर में निर्दोष नागरिकों की हत्याओं की दुखदाई खबर सामने आई जो बेहद चिंताजनक थी। भारत सरकार ने इसकी निंदा की और इस घटना की निष्पक्ष छानबीन की मांग उठाई। इश मोदी ने यह भी कहा कि हम उम्मीद करते हैं कि रूस और यूक्रेन के बीच जारी वार्ता को सार्थक नतीजे निकलेंगे जिससे शांति स्थापित होगी।

प्रधानमंत्री मोदी ने यूक्रेन संकट पर भारत सरकार की ओर से की गई पहलकदमियों का भी जिक्र किया। प्रधानमंत्री ने कहा- 'मैंने यूक्रेन और रूस दोनों के राष्ट्रपतियों से कई बार इस मसले पर टेलीफोन पर बातचीत की। मैंने दोनों पक्षों से ना केवल शांति की अपील की वरन राष्ट्रपति पुतिन को सीधे यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की के साथ सीधी वार्ता का सुझाव भी दिया। यही नहीं हाल ही में भारत की संसद में भी यूक्रेन के मसले पर बहुत विस्तार से सभी दलों की ओर से चर्चा की गई है।'

वहीं अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी से मिलने में हमेशा खुशी होती है। भारत के दो मंत्री और राजदूत यहां मौजूद हैं। भारत और अमेरिका कोविड महामारी, स्वास्थ्य क्षेत्र में चुनौतियों जैसे गंभीर वैश्विक मसलों पर मिलकर काम कर रहे हैं। भारत रक्षा क्षेत्र में अमेरिका का एक मजबूत साझेदार भी है। प्रधानमंत्री मोदी के साथ यह मुलाकात भारत और अमेरिका के बीच टू प्लस टू की मंत्रीस्तरीय बातचीत को दिशा देने में भी बेहद महत्वपूर्ण है। इस बैठक के लिए भी मैं पीएम मोदी का अभिनंदन कर रहा हूं।

यह बैठक दोनों देशों के बीच 'टू प्लस टू' की मंत्रिस्तरीय वार्ता के बीच हुई है। विदेश मंत्री एस. जयशंकर और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह वाशिंगटन में मौजूद हैं। व्हाइट हाउस की प्रवक्ता जेन साकी का कहना है कि जो बाइडन प्रधानमंत्री मोदी से रूसी आक्रमण के खिलाफ कड़ा रुख अपनाने की गुजारिश करेंगे। यानी जाहिर है इस बैठक में यूक्रेन युद्ध का मसला भी उठ सकता है। सनद रहे कि रूस और अमेरिका दोनों ही भारत को अपने पाले में करने की लगातार कोशिशें कर रहे हैं। इस बीच समाचार एजेंसी एएनआइ ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि पांच साल की लगातार कोशिशों के बाद भारत और अमेरिका स्पेस सिचुएशनल अवेयरनेस (एईं) मेमोरेंडम आफ अंडरस्टैंडिंग (श्दळ) पर हस्ताक्षर करेंगे। यदि यह समझौता होता है तो यह दोनों देशों के बीच एक बड़ी डील होगी। इसके तहत खतरे की स्थिति में दोनों देश उपग्रहों और अन्य संपत्तियों पर आंकड़ों का आदान प्रदान करेंगे।

झारखंड रोपवे हादसा- 40 जिंदगियां अभी भी अधर में, 8 लोगों का किया रेस्क्यू

-हेलीकॉप्टर की मदद से भेजा गया खाना

देवघर (ईएमएस)। झारखंड के देवघर में रोपवे दुर्घटना की दुखद खबर आ रही है। जिले में बाबा बैद्यनाथ मंदिर के पास त्रिकुट पहाड़ी पर 12 रोपवे ट्रॉली आपस में टकरा गईं। इस हादसे में एक व्यक्ति के मारे जाने की खबर है। वहीं भारतीय वायुसेना ने रोपवे में फंसे लोगों को निकालने का जिम्मा उठाया है। प्राप्त जानकारी के मुताबिक, रोपवे में फंसे लोगों को वायुसेना के हेलीकॉप्टर की मदद से राशन पानी मुहैया कराया गया। इसके अतिरिक्त कम से कम 8 लोगों को निकाला भी जा चुका है। खबरों के मुताबिक, आईटीबीपी के पीआरओ विवेक पांड ने बताया कि 12 ट्रालियों में 48 लोगों के फंसे होने की हमें सूचना मिली थी। थोड़ी देर पहले 60 फीट नीचे वाली ट्राली से 4 लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला गया। एक अन्य ट्राली से भी 4 लोगों को निकाला है। कुल 8 लोग निकाले गए हैं।

उन्होंने बताया कि रोपवे में बाकी के फंसे 40 लोगों को निकालने के लिए ऑपरेशन जारी है। उन्हें खाना भी पहुंचाया जा रहा है। सेना, एनडीआरएफ, वायुसेना, स्थानीय पुलिस और प्रशासन के द्वारा बचाव अभियान चलाया जा रहा है। आज देर शाम तक शायद हम सभी लोगों को सुरक्षित ट्रालियों से बहाल निकाल लें। सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, रोपवे में तय ट्रालियों से ज्यादा 3 ट्रालियां लगाई गई थीं।

सीएम सोरेन ने बताया कि एनडीआरएफ, भारतीय वायुसेना और गरुड कमांडो के द्वारा सहायता ली जा रही है। जिन्होंने उस रोपवे को बनाया था उनकी टीम भी वहां पहुंच गई है।

नफरत, हिंसा और अलगाव देश को कर रही है कमजोर

नई दिल्ली (ईएमएस)। देश में राम नवमी के अवसर पर कुछ राज्यों में सांप्रदायिक तनाव को लेकर कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने सोमवार को कहा कि नफरत, हिंसा और अलगाव भारत को कमजोर कर रहे हैं तथा ऐसे में न्यायप्रिय और समावेशी भारत के लिए खड़े होने की जरूरत है। उन्होंने राम नवमी पर देश के कुछ स्थानों तथा यहां जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय में हुई हिंसा की पृष्ठभूमि में यह टिप्पणी की। कांग्रेस नेता ने ट्वीट किया, 'नफरत, हिंसा और अलगाव हमारे प्रिय देश को कमजोर कर रहे हैं। भाईचारे, शांति और सद्भाव के माध्यम से प्रगति का मार्ग प्रशस्त होता है। आइए, न्यायप्रिय और समावेशी भारत को सुरक्षित करने के लिए साथ खड़े होते हैं।'

चावल खरीद मुद्दे पर टीआरएस का दिल्ली में हल्लाबोल, केसीआर के साथ मंच पर दिखे किसान नेता टिकैत

नई दिल्ली (ईएमएस)। तेलंगाना में चावल खरीद के मुद्दे को लेकर राज्य की सत्तारूढ़ पार्टी तेलंगाना राष्ट्र समिति (टीआरएस) के मुखिया और सूबे के मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव दिल्ली में केंद्र सरकार के खिलाफ धरना देते नजर आए। तेलंगाना भवन में आयोजित प्रदर्शन के दौरान के चंद्रशेखर राव के साथ किसान नेता राकेश टिकैत भी मंच पर नजर आए। इसके साथ ही टीआरएस के अन्य नेता भी मौजूद रहे।

टीआरएस का आरोप है कि केंद्र सरकार किसानों के साथ धोखा करते हुए कॉरपोरेट हितों का ख्याल रख रही है। दिल्ली में तेलंगाना के मुख्यमंत्री केसीआर ने कहा कि तेलंगाना अपना हक मांगता है। मैं प्रधानमंत्री जी से कहना चाहता हूं कि नई कृषि नीति बनाएं और हम उसमें भी योगदान देंगे। अगर आप ऐसा नहीं करेंगे तो आपको हटा दिया जाएगा और नई सरकार नई एकीकृत कृषि नीति बनाएगी। केंद्र तेलंगाना के किसानों से धान नहीं खरीद रहा है। उसी पर बोलते हुए तेलंगाना के गृहमंत्री मोहम्मद महमूद अली ने सरकार पर किसानों को परेशान करने और उनके साथ अन्याय करने का आरोप लगाया। उन्होंने प्रधानमंत्री से राज्य से फसल खरीदने की भी अपील की।

भारतीय किसान यूनियन (भाकियू) नेता राकेश टिकैत भी दिल्ली में टीआरएस के सांसदों, एमएलसी और विधायकों सहित निर्वाचित प्रतिनिधियों द्वारा किए गए विरोध प्रदर्शन में शामिल हो गए हैं। धरना स्थल की तस्वीरों में बड़ी संख्या में लोगों को मंच के सामने इकट्ठा होते और केंद्र सरकार के खिलाफ नारे लगाते देखा गया। एमएलसी के कविता ने कहा कि तेलंगाना की मांग है कि एक खरीद नीति रहे। एक देश में एक खरीद नीति होनी चाहिए। पहले छत्तीसगढ़ से भी यह मांग आई थी किसान की मदद की जाए न कि किसान को बर्बाद किया जाए।

जेएनयू में शांति बनाए रखने के लिए सख्त की गई सुरक्षा व्यवस्था : पुलिस

नई दिल्ली (ईएमएस)। जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) में छात्रों के दो समूहों के बीच झड़प के एक दिन बाद शांति बनाए रखने और किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए सोमवार से सुरक्षा कड़ी कर दी गई है। जेएनयू के कावेरी छात्रावास में छात्रों के दो समूह के बीच, 'मेस' में रामनवमी पर कथित तौर पर मांसाहारी भोजन परोसने को लेकर रविवार को झड़प हो गई थी।

पुलिस ने बताया घटना में छह छात्र घायल हो गए हैं। पुलिस के मुताबिक, परिसर के अंदर और बाहर सुरक्षा बढ़ा दी गई है। अभी परिसर के बाहर ही पुलिस बल तैनात किया गया है, जबकि विश्वविद्यालय के सुरक्षाकर्मी परिसर के अंदर सुरक्षा का जिम्मा संभाल रहे हैं। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, जवानों को अभी जेएनयू परिसर के अंदर तैनात नहीं किया गया है, क्योंकि विश्वविद्यालय ने अभी तक सुरक्षा के लिए अनुरोध नहीं किया है। हालांकि, हम स्थिति पर नजर बनाए हैं।

अधिकारी ने कहा हमने परिसर के बाहर अपने दल तैनात किए हैं। अगर विश्वविद्यालय अनुरोध करेगा, तो यकीनन परिसर के भीतर भी जवानों को तैनात किया जाएगा। विश्वविद्यालय के पास अपने सुरक्षा कर्मी हैं, जिन्हें परिसर के भीतर तैनात किया गया है। सूत्रों के अनुसार, घटना के वक्त विश्वविद्यालय की कुलपति शांतिश्री डी पंडित परिसर में नहीं थीं और मामले की सूचना मिलने के बाद तुरंत वह रविवार रात यहां पहुंची।

हिंसा के कई कथित वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आए, जिनमें से एक में एक छात्रा अख्तरिस्ता अंसारी के सिर से खून निकलता दिख रहा है। अधिकारियों ने इन वीडियो की प्रामाणिकता की पुष्टि नहीं की है। इस बीच, रविवार देर रात ट्विटर पर अंसारी ने बताया कि उन्हें अस्पताल से छुट्टी मिल गई है और वह बेहतर महसूस कर रही हैं। उन्होंने ट्वीट किया मुझे अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) से छुट्टी मिल गई है और मैं बेहतर महसूस कर रही हूं। संघी गुंडों और फासीवादी ताकतों के खिलाफ लड़ाई जारी रहेगी। इंकलाब जिंदाबाद। संघी गुंडों को गिरफ्तार करें।

इस बीच, जेएनयू छात्र संघ (जेएनयूएसयू) और राष्ट्रीय स्यवंसेवक संघ से संबद्ध अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) के बीच छात्रावास के 'मेस' में मांसाहारी भोजन परोसने को लेकर हुई झड़प के मामले में दिल्ली पुलिस ने सोमवार को एबीवीपी के अज्ञात सदस्यों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की। पुलिस उपायुक्त (दक्षिण-पश्चिम) मनोज सी ने बताया कि उन्हें अज्ञात एबीवीपी छात्रों के खिलाफ सोमवार की सुबह जेएनयूएसयू, स्टूडेंट्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (एसएफआई), डीएसएफ और ऑल इंडिया स्टूडेंट्स एसोसिएशन (आइसा) के सदस्य छात्रों के एक समूह से शिकायत मिली है। उन्होंने कहा शिकायत के आधार पर, हमने भारतीय दंड संहिता की धारा 323, 341, 509, 506 और 34 के तहत एक प्राथमिकी दर्ज की है। तथ्यात्मक या वैज्ञानिक साक्ष्य एकत्र करने और दोषियों की पहचान करने के लिए आगे जांच जारी है।

भारत की ब्रह्मोस मिसाइल को लेकर एक और बड़ा खुलासा

नई दिल्ली (ईएमएस)। पाकिस्तान में गलती से जा गिरी भारत की ब्रह्मोस मिसाइल को लेकर एक और बड़ा खुलासा हुआ है। 9 मार्च 2022 को भारत की बिना हथियार की सुपरसोनिक मिसाइल गलती से लॉन्च हो गई थी और एक उच्च स्तरीय जांच में पता चला था कि इस घटना के पीछे ब्रह्मोस यूनिट के कमांडिंग ऑफिसर (सीओ) की गलती थी। लेकिन अब खुलासा हुआ है कि कमांडिंग ऑफिसर के अलावा और भी कई क्रू मेंबरों की गलती का नतीजा था। इस लापरवाही के लिए भारतीय वायुसेना ने एक से अधिक अधिकारियों को जिम्मेदार ठहराया है और इनके खिलाफ जल्द ही एक्शन लिया जाएगा। इस हादसे में पाकिस्तान में किसी तरह के जानमाल का नुकसान नहीं हुआ था। एक ग्रुप कैप्टन-रैंक के अधिकारी (कर्नल) और अन्य को प्रथम दृष्टया इस अभूतपूर्व घटना के लिए जिम्मेदार ठहराया है। घटनाओं के पूरे क्रम के साथ-साथ चूक व अन्य पहलुओं की जांच पूरी हो गई है। बता दें कि ब्रह्मोस एयरोस्पेस, भारत और रूस का एक संयुक्त उपक्रम है। 9 मार्च की शाम करीब 7 बजे 290 किमी की दूरी की पारंपरिक (गैर-परमाणु) मिसाइल अनजाने में उत्तर भारत में एक आइएएफ बेस के पास से लॉन्च की गई जो पाकिस्तान में जा गिरी थी। भारतीय वायुसेना ने इस घटना को बेहद गंभीर मानते हुए एक उच्च स्तरीय जांच का आदेश दिया था जो अब पूरी हो चुकी है।

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री के रूप में निर्विरोध चुने गए शहबाज शरीफ

इस्लामाबाद (ईएमएस)। नवाज़ शरीफ के भाई शहबाज शरीफ निर्विरोध पाकिस्तान के प्रधानमंत्री चुने गए। इसी के साथ भुट्टो परिवार के बाद नवाज़ परिवार देश को दो पीएम देने वाला परिवार बन गया। इमरान खान की पार्टी ने चुनाव का बहिष्कार किया। पाकिस्तान में नया प्रधानमंत्री चुने जाने के लिए संसद का सत्र शुरू हुआ था। इमरान खान को सत्ता से बेदखल करने के बाद प्रधानमंत्री पद के दावेदार माने जा रहे पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज़ (पीएमएल-एन) के अध्यक्ष शहबाज़ शरीफ पूर्व प्रधानमंत्री नवाज़ शरीफ के 70 वर्षीय छोटे भाई भाई हैं। वे मुल्क के सबसे ज्यादा आबादी वाले और राजनीतिक रूप से अहम पंजाब प्रांत के तीन बार मुख्यमंत्री रहे हैं। यह पहली बार है जब उनकी पार्टी पीएमएल-एन - खासकर इसके सुप्रीमो नवाज़ शरीफ - ने प्रधानमंत्री पद के लिए उनके नाम पर सहमति व्यक्त की है। पूर्व राष्ट्रपति और पाकिस्तान पीपल्स पार्टी (पीपीपी) के सह-अध्यक्ष आसिफ अली जरादरी ने संयुक्त विपक्ष की बैठक में प्रधानमंत्री पद के लिए शहबाज़ के नाम का प्रस्ताव रखा था।

तहरीक-ए इंसाफ के प्रधानमंत्री कैंडीडेट शाह महमूह कुरैशी ने प्रधानमंत्री के चयन के लिए वोटिंग का बहिष्कार किया था। पाकिस्तान में नए प्रधानमंत्री के चुनाव से पहले पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ पार्टी के सभ सांसदों ने इस्तीफा देने का फैसला किया। इमरान खान ने कहा था कि वह ठचोरोंठ के साथ सदन में नहीं बैठेंगे।

अंतरिक्ष क्षेत्र में सहयोग और प्रगाढ़ करेंगे भारत व अमेरिका, इसके जरिये एक दूसरे के सेटेलाइट की सुरक्षा होगी सुनिश्चित

नई दिल्ली। भारत और अमेरिका के बीच अंतरिक्ष क्षेत्र में सहयोग को और प्रगाढ़ करने का फैसला हुआ है। सोमवार को वाशिंगटन में दोनों देशों के बीच टू प्लस टू वार्ता (दोनों देशों के विदेश और रक्षा मंत्रियों की बैठक) के बाद इस बारे में एक अहम समझौते पर हस्ताक्षर होने हैं। दोनों ओर दी गई जानकारी के मुताबिक यह समझौता एक दूसरे के सेटेलाइट को सुरक्षित बनाने के संबंध में है।

टू प्लस टू वार्ता के बाद संयुक्त बयान में भी अंतरिक्ष क्षेत्र में व्यापक सहयोग के बारे में बताया जाएगा। वर्ष 2019 और वर्ष 2020 में हुई टू प्लस टू वार्ता में भी अंतरिक्ष सहयोग एक व्यापक एजेंडा रहा था। उन वार्ताओं की वजह से ही अब एक दूसरे को सेटेलाइट की जानकारी साझा करने संबंधी 'द स्पेस सिचुएशनल एवरनेस मेमोरेंडम आफ अंडरस्टैंडिंग' पर हस्ताक्षर होंगे। जो बाइडन की सरकार बनने के बाद भारत और अमेरिका के बीच किया जाने वाला यह सबसे अहम समझौता होगा। इस समझौते के बाद दोनों देश एक दूसरे के सेटेलाइट के लिए उत्पन्न किसी भी खतरे के बारे में प्राथमिकता के तौर पर जानकारी साझा करेंगे।

जो बाइडन की सरकार बनने के बाद भारत और अमेरिका के बीच किया जाने वाला यह सबसे अहम समझौता होगा। इस समझौते के बाद दोनों देश एक दूसरे के सेटेलाइट के लिए उत्पन्न किसी भी खतरे के बारे में प्राथमिकता के तौर पर जानकारी साझा करेंगे। अंतरिक्ष में फैले तमाम तरह के मलबे की जानकारी देंगे। इस मलबे की वजह से सेटेलाइटों को खतरा रहता है।

वैसे दोनों देशों के बीच वर्ष 2015 से ही स्पेस सिक्यूरिटी डायलाग चल रहा है। भारत ने अंतरिक्ष क्षेत्र को सुरक्षा से जोड़ते हुए इस तरह की वार्ता सबसे पहले अमेरिका से ही शुरू की थी और उसके बाद जापान व आस्ट्रेलिया के साथ भी शुरू कर चुका है। हालांकि अंतरिक्ष क्षेत्र में जानकारी साझा करने वाला समझौता सिर्फ अमेरिका से किया जा रहा है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सितंबर, 2021 की वाशिंगटन यात्रा के दौरान अमेरिका की उपराष्ट्रपति कमला हैरिस के साथ हुई द्विपक्षीय वार्ता में भी अंतरिक्ष क्षेत्र में सहयोग एक अहम एजेंडा था। उपराष्ट्रपति हैरिस नेशनल स्पेस काउंसिल आफ अमेरिका की प्रमुख हैं। नासा और इसरो के बीच कई स्तरों पर सहयोग स्थापित किया गया है।

हरियाणा कांग्रेस में भी बवाल

नई दिल्ली (ईएमएस)। पंजाब में अंतर्कलह से जूझती कांग्रेस दूसरे राज्यों में भी इस मुसीबत का सामना कर रही है अब हरियाणा कांग्रेस में भी उठापटक चल रही है। पंजाब में अमरिंदर राजा वारिंग को प्रदेश अध्यक्ष बनाए जाने के बाद अब हरियाणा में भी कांग्रेस बदलाव की ओर बढ़ती दिख रही है। लेकिन इससे पहले बड़ा बवाल भी होने की आशंका है। हरियाणा कांग्रेस की प्रदेश अध्यक्ष कुमारी शैलजा ने अपने पद से इस्तीफा देने का प्रस्ताव सोनिया गांधी को दिया है। शनिवार को पार्टी सुप्रीमो से मुलाकात में उन्होंने यह ऑफर दिया है। उनकी ओर से यह बात ऐसे समय में कही गई है, जब पूर्व सीएम भूपिंदर सिंह हुड्डा लगातार बदलाव की मांग कर रहे हैं।

14 को विवाह बंधन में बंधेंगे रणबीर और आलिया, ड्रोन से होगी निगरानी, 200 बाउंसर संभालेंगे सुरक्षा

मुंबई (ईएमएस)। बॉलीवुड एक्टर रणबीर कपूर और आलिया भट्ट 14 अप्रैल को विवाह के बंधन में बंधने वाले हैं। भले ही दोनों ने अपनी शादी की तारीख का ऐलान नहीं किया है लेकिन विवाह की चर्चा जोरों पर है। मीडिया से लेकर फैंस के बीच तक रणबीर-आलिया की शादी ही बातें हो रही हैं। सूत्रों के अनुसार विवाह समारोह कपूर खानदान के पुश्तैनी घर चेंबूर में 'कृष्णा राज' बंगले पर होने वाला है। यहां तगड़ी सिक्योरिटी अरेंजमेंट की गई है।

रणबीर-आलिया की शादी में ड्रोन के जरिए चप्पे-चप्पे पर नजर रखी जाएगी। इसके साथ ही 200 बाउंसर भी तैनात किए जाएंगे। आलिया भट्ट के सौतेले भाई राहुल भट्ट ने कपल की वेडिंग अरेंजमेंट को लेकर खुलासा किया और बताया कि 'यूसुफ भाई ने आलिया भट्ट और रणबीर कपूर की शादी की सिक्योरिटी की जिम्मेदारी ले रखी है, उनके पास मुंबई की बेस्ट सिक्योरिटी फोर्स है।

उन्होंने बताया कि करीब 200 बाउंसर मंगवाए गए हैं। इन 200 बाउंसर में ऐसे लोगों की वरियता दी गई है जिनकी पर्सनैलिटी अच्छी हैं, अच्छी इंग्लिश बोलने में निपुर्ण हैं और नो स्मोकिंग रूल्स भी फॉलो करते हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, राहुल भट्ट ने बताया है कि उनकी भी टीम से सिक्योरिटी के लिए 10 लड़के कपल की शादी में जाएंगे। इसके अलावा वेडिंग के दिन ड्रोन्स का भी इंतजाम किया गया है।

शादी में दोनों जगहों चेंबूर के आरके स्टूडियो और वास्तु में गार्ड्स तैनात होंगे। रणबीर और आलिया की शादी 14 अप्रैल को है। 14 अप्रैल रणबीर दोपहर में अपनी बारात लेकर वेडिंग वेन्यू के लिए रवाना होंगे। शादी के फंक्शन 13 अप्रैल को शुरू हो जाएंगे।

कार्टून कोना

चीन में फिर कोरोना का कहर, लोगों को डराने सरकार ले रही 'ड्रोन' का सहारा, लॉकडाउन की तैयारी

बीजिंग (ईएमएस)। चीन में एक बार फिर कोरोना वायरस ने अपना कहर बरपाना शुरू कर दिया कड़ी पाबंदियों के बावजूद भी संक्रमण तेज हो रहा है। अकेले चीन की आर्थिक राजधानी शंघाई में रविवार को कोरोना वायरस के 25000 नए मामले दर्ज किए गए हैं। जिसके बाद राजधानी बीजिंग समेत चीन के कई बड़े शहरों में लॉकडाउन लगाने की तैयारी की जा रही है। स्थानीय स्वास्थ्य आयोग ने कहा कि शंघाई में तेजी से बढ़ते मामले चिंता का विषय हैं। इनमें से 1,006 मामले ऐसे थे, जिनमें रोगियों के अंदर कोरोना के लक्षण नजर आए, बाकी के 23,937 संक्रमितों के अंदर कोरोना के कोई लक्षण नहीं थे। शंघाई में मार्च की शुरुआत के बाद अब तक लगभग 180,000 मामले दर्ज किए जा चुके हैं। शंघाई में तेजी से बढ़ते कोरोना संक्रमण के कारण स्वास्थ्य सेवाओं पर बोझ काफी बढ़ गया है। हल्के-फुल्के लक्षण होने के बावजूद लोगों को अस्पतालों में भर्ती किया जा रहा है, जिस कारण मरीजों को बेड मिलने में मुश्किल हो रही है। कोरोना मरीजों की भीड़ के कारण कई अस्पतालों में बाकी बीमारियों के इलाज में दिक्कतें आ रही हैं। अधिकतर अस्पतालों में इमरजेंसी को छोड़कर बाकी बीमारियों के लिए अपनी सेवाओं को बंद कर दिया है। इतना ही नहीं, शहर की नाकेबंदी के कारण लोग देश के दूसरे शहरों में भी इलाज के लिए नहीं जा पा रहे हैं।

लॉकडाउन के कारण शंघाई की सड़के पूरी तरह खाली नजर आ रही है। सिर्फ मेडिकल, पुलिस, हेल्थ वर्कर और डिलीवरीमैन को छूट दी गई है। इसके अलावा विशेष परिस्थितियों में बाहर निकलने वाले लोगों को न्यूक्लिक एसिड टेस्ट करवाने के बाद ही अनुमति दी जा रही है। जिसके बाद चीन के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म वीवो पर शंघाई में भोजन की कमी से संबंधित कई पोस्ट देखने को मिले। यूजर्स ने लोगों के विरोध प्रदर्शन करने की बात भी कही है, जिसके बाद स्थानीय प्रशासन और पुलिस ने पाबंदियों को और सख्त कर दिया है। शंघाई पुलिस ने प्रतिबंधों से नाराज लोगों को डराने के लिए हेलीकॉप्टर और ड्रोन का सहारा लिया है। हेलीकॉप्टर और ड्रोन के जरिए नाराज नागरिकों को घरों से बाहर आने, सड़कों पर जमा होने, यहां तक कि अपने कॉलोनियों के कंपाउंड में इकट्ठा होने से रोका जा रहा है। सरकारी मीडिया के अनुसार, शंघाई में अब तक कुल 225 पुलिस हेलीकॉप्टर और पुलिस ड्रोन तैनात किए गए हैं। इन्होंने कुल 150 घंटे की उड़ान भरकर सील किए गए क्षेत्रों में लोगों के घूमने और इकट्ठा होने के 250 से भी अधिक मामलों का पता लगाया है।

चीनी भाषा में जारी रिपोर्ट में कहा गया है कि पुलिस के हेलीकॉप्टर और ड्रोन जनता को जितना संभव हो सके परेशान किए बिना समस्याग्रस्त स्थानों पर आगे-पीछे उड़ते हैं। ये ऑनबोर्ड लाउडस्पीकर और रिकॉर्डेड वाइस के जरिए प्रतिबंधित एरिया में घूमने वाले लोगों को चेतावनी देते हैं। इनकी मदद से संबंधित इलाकों में कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए जल्द से जल्द पुलिस टीम को भेजा जाता है।

कांग्रेसी नेता मल्लिकार्जुन खड़गे को ईडी ने किया तलब, कर रही पूछताछ

नई दिल्ली (ईएमएस)। कांग्रेस समर्थित अखबार नेशनल हेराल्ड मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने वरिष्ठ कांग्रेसी नेता मल्लिकार्जुन खड़गे को तलब किया है। ईडी ने उन्हें नोटिस भेजकर सोमवार को पूछताछ के लिए उपस्थिति होने को कहा था। वह सोम वार सुबह 11 बजे प्रवर्तन निदेशालय के दफ्तर पहुंचे। इस केस में कांग्रेस की अंतरिम अध्यक्ष सोनिया गांधी और पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी आरोपी हैं। नेशनल हेराल्ड केस में प्रवर्तन निदेशा लय कथित वित्तीय अनियमितताओं की जांच कर रहा है। यंग इंडियन प्राइ वेट लिमिटेड ने कांग्रेस पर एसोसिएटेड जर्नल्स लिमिटेड के अधिग्रहण में धोखाधड़ी, साजिश और आपराधिक विश्वासघात का आरोप लगाया गया है। पंडित जवाहरलाल नेहरू ने 1937 में एसोसिएटेड जर्नल लिमिटेड बनाया था, जिसने तीन अखबार निकालने शुरू किए। हिंदी में नवजीवन, उर्दू में कौमी आवाज़ और अंग्रेज़ी में नेशनल हेराल्ड। साल 2008 आते-आते एसोसिएटेड जर्नल लिमिटेड ने फैसला किया कि अब वह अखबार नहीं छापेगा।

एसोसिएटेड जर्नल लिमिटेड पर 90 करोड़ रुपयों का कर्ज चढ़ चुका था। साल 2010 में, वित्तीय चुनौतियों से जूझ रहे एजेएल का अधिग्रहण यंग इंडियन प्राइवेट लिमिटेड (वाईआई एल) नाम की एक नव-निर्मित कंपनी ने किया था। सुमन दुबे और टेक्नोक्रेट सैम पित्रोदा वाईआईएल के निदेशक थे। आरोप है कि कांग्रेस ने 50 लाख के निवेश से यंग इंडियन प्राइवेट लिमिटेड नाम की एक नॉट-फॉर-प्रॉफि ट कंपनी बनाई, जिसमें 76 फीसदी हिस्सेदारी राहुल गांधी और उनकी मां सोनिया गांधी की थी। बाकी 24 फीसदी की हिस्सेदारी मोतीलाल वोरा और ऑस्कर फर्नांडिस की थी, जो अब इस दुनिया में नहीं हैं। यंग इंडिया प्राइवेट लिमिटेड ने एसोसिएटेड जर्नल लिमिटेड का अधिग्रहण कर लिया।

साल 2012 में बीजेपी नेता सुब्रम ण्यम स्वामी ने अदालत में एक जनहित याचिका फाइल की। उन्होंने कांग्रेस पर नेशनल हेराल्ड का प्रकाशन करने वाली कंपनी एसोसिएटेड जर्नल लिमि टेड के अधिग्रहण में धोखाधड़ी का आरोप लगाया। सुब्रमण्यम स्वामी ने अप नी जनहित याचिका में अदालत से कहा कि मात्र 50 लाख रुपए खर्च करके 90 करोड़ रुपयों की वसूली कर ली गई। इनकम टैक्स एक्ट के हिसा ब से कोई भी राजनीतिक पार्टी किसी थर्ड पार्टी के साथ पैसों का लेन-देन नहीं कर सकती। स्वामी ने कोर्ट से कहा कि कांग्रेस ने पहले यंग इंडिया प्राइवेट लिमिटेड को 90 करोड़ का लोन दिया, जिस पैसे से इस कंपनी एजेएल का अधिग्रहण किया, फिर अकाउंट बुक्स में हेर-फेर करके उस रकम को 50 लाख दिखा दिया। यानी 89 करोड़ 50 लाख रुपए माफ कर दिए गए।

सुब्रमण्यम स्वामी ने कोर्ट में आरोप लगाया कि एसोसिएटेड जर्नल लिमिटेड ने अखबार छापना बंद करके प्रॉपर्टी का काम शुरू कर दिया। यानी वह एक रियल एस्टेट फर्म बन गई, जो दिल्ली, लखनऊ और मुंबई में बिजनेस कर रही थी। स्वामी का आरोप है कि एजेएस की जितनी भी संपत्तियां थीं, वे सभी कांग्रेस नेताओं ने अपने नाम करा लीं। क्योंकि एसोसिएटेड जर्नल लिमिटेड को यंग इंडियन प्राइवेट लिमिटेड खरीद चुकी थी, जो राहुल गांधी और सोनिया गांधी की कंपनी थी।

हिमाचल में कई आप नेता भाजपा में शामिल

शिमला (ईएमएस)। हिमाचल प्रदेश में आम आदमी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष के बाद महिला मोर्चा अध्यक्ष ममता ठाकुर के साथ कुछ नेताओं ने केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर तथा राष्ट्रीय महामंत्री अरुण सिंह की मौजूदगी सोमवार को बीजेपी की सदस्यता ग्रहण कर ली। इस पर आम आदमी पार्टी के नेता और दिल्ली सरकार में स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन ने ट्वीट कर जानकारी दी कि हिमाचल प्रदेश राज्य कार्यकारी समिति को भंग कर दिया गया है। जल्द ही नई कार्यसमिति का ऐलान किया जाएगा। वहीं केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने आम आदमी पार्टी पर निशाना साधा। उन्होंने कहा- केजरीवाल ने सोचा था कि हिमाचल प्रदेश में सरकार बनाएंगे, आप को अब संगठन बचाना मुश्किल हो गया है। आम आदमी पार्टी की महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष ममता ठाकुर, उपाध्यक्ष सोनिया बिंदल बीजेपी में शामिल हो गई हैं।

इससे पहले हिमाचल प्रदेश में आप के प्रदेश अध्यक्ष अनूप केसरी और संगठन महामंत्री सतीश ठाकुर बीजेपी में शामिल हो गए थे। ऊना के पार्टी इकाई के अध्यक्ष इक़बाल सिंह भी बीजेपी में शामिल हो गएथे। केंद्रीय सूचना प्रसारण मंत्री अनुराग ठाकुर इन तीनों नेताओं को लेकर बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे पी नड्डा के घर पहुंचे थे और इन्हें पार्टी में शामिल कराया गया। हालांकि आम आदमी पार्टी ने दावा किया कि अनूप केसरी के खिलाफ महिला पर अमर्यादित टिप्पणी करने की शिकायत आई थी, उन्हें पार्टी से निकाला गया था।

पिछले हफ्ते दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और पंजाब के सीएम भगवंत मान ने हिमाचल में रोड शो कर अपनी ताकत दिखाई थी। मनीष सिसोदिया ने दावा किया था कि बीजेपी सीएम जयराम ठाकुर को हटा कर अनुराग ठाकुर को सीएम बनाना चाहती है, जिसका बीजेपी ने खंडन किया। हिमाचल प्रदेश में इस साल के अंत में गुजरात के साथ विधानसभा चुनाव होने हैं। आप के प्रदेश अध्यक्ष का बीजेपी में शामिल होना आप के लिए एक बड़ा झटका माना गया था।

सुप्रीम कोर्ट ने तय की कोरोना से होने वाली मौतों पर क्लेम फाइल करने की समय सीमा

नई दिल्ली (ईएमएस)। केंद्र सरकार ने बताया कि सुप्रीम कोर्ट ने 24 मार्च के अपने एक आदेश में कोरोना से हुई मौतों के मामले में मुआवजे के लिए क्लेम फाइल करने की समय सीमा तय की थी। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के अनुसार, 20 मार्च से पहले हुई मौतों के लिए 60 दिनों के भीतर दावा दायर करना होगा। भविष्य में मौत के लिए, क्लेम फाइल करने के लिए 90 दिनों का समय दिया गया है।

इससे पहले, सुप्रीम कोर्ट ने पिछले माह कहा था कि चार सप्ताह की समय सीमा पर्याप्त नहीं है। केंद्र द्वारा कोविड-19 के कारण परिजनों की मृत्यु पर भुगतान के लिए क्लेम करने का समय तय किया था। कोर्ट ने कहा मृतक के परिजन दुख में होते हैं, लिहाजा इतना समय पर्याप्त नहीं है।

न्यायमूर्ति एमआर शाह और न्यायमूर्ति बीवी नागरत्ना की पीठ ने संकेत दिया है कि ऐसे सभी व्यक्तियों को 60 दिन की अवधि दी जाएगी, जो मुआवजे के लिए आवेदन करने के पात्र हैं। भविष्य के दावेदारों को 90 दिन का समय दिया जाएगा। कोर्ट ने कहा यह (चार सप्ताह) उचित समय अवधि नहीं हो सकती, क्योंकि संबंधित परिवार सदमे में हो सकता है। चार सप्ताह एक अच्छा समय नहीं हो सकता है। यदि मृत्यु होती है, तो परिवार को दुख से उबरने और फिर दावा दायर करने के लिए समय चाहिए।

आदेश के मुताबिक अगर कोई फर्जी क्लेम करता है तो उसे सजा भी दी जाएगा। क्लेम करने वालों में से 5 फीसदी की रैंडम जांच की जाएगी। अगर मामला फर्जी पाया गया को उसे सजा दी जाएगी। यह फर्जी क्लेम के जोखिम को कम करने के लिए उपाय किया गया है।

सुप्रीम कोर्ट ने कोविड-19 के कारण जान गंवाने वाले लोगों के परिवार के सदस्यों को मिलने वाली 50,000 रुपए की अनुग्रह राशि पाने के लिए झूठे दावों पर चिंता जताई थी। कोर्ट ने कहा था कि उसने कभी सोचा भी नहीं था कि इसका दुरुपयोग किया जा सकता है। शीर्ष अदालत ने कहा था कि उसे लगता था कि नैतिकता का स्तर इतना नीचे नहीं गिर सकता।

जन हितैषी

पाक में शहबाज

पाकिस्तान में इमरान खान की कुर्सी आखिरकार चली गई। अविश्वास प्रस्ताव पर नौ अप्रैल की देर रात हुए मतदान के नतीजों ने इमरान का अंक गणित बिगाड़ दिया। इस दौरान न तो इमरान खान नेशनल असेंबली में मौजूद थे और न ही उनकी पार्टी के सदस्यों ने मतदान में हिस्सा लिया। विपक्ष को 174 वोट मिले, हालांकि सरकार बनाने के लिए 172 वोट की जरूरत थी। इससे पहले इमरान नीत पीटीआई गठबंधन के पास 179 सदस्य थे, लेकिन एमक्यूएम-पी समेत बाकी सहयोगियों के साथ छोड़ने से उसके पास 164 सदस्य रह गए थे। दूसरी ओर विपक्ष की संख्या बढ़कर 177 मानी जा रही थी। इमरान के 24 सांसद बागी बताए जा रहे थे। बहरहाल अंततः इमरान खान की सरकार गिर गई। इस बीच, पाकिस्तान के नए प्रधानमंत्री के नाम को लेकर भी चर्चा शुरू है। भारत समेत पूरी दुनिया की नजर इस पर है। हर कोई जानना चाहता है कि अगला प्रधानमंत्री कौन बनेगा। इमरान खान के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाने वाले विपक्षी दलों के नेताओं ने पहले ही पीएम पद के उम्मीदवार का नाम तय कर लिया था। शनिवार को भी वोटिंग से पहले विपक्षी दलों के नेताओं ने बैठक की और इसमें शहबाज शरीफ को अपना नेता चुना। मतलब साफ है कि शहबाज शरीफ ही पाकिस्तान के अगले प्रधानमंत्री होंगे। शहबाज शरीफ के बड़े भाई नवाज शरीफ पाकिस्तान के प्रधानमंत्री रह चुके हैं। नवाज शरीफ के समय ही भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पाकिस्तान गए थे। मौजूदा समय शहबाज पाकिस्तान की संसद में विपक्ष के नेता हैं। वह तीन बार पाकिस्तान के पंजाब प्रांत के मुख्यमंत्री रह चुके हैं। शहबाज उस पंजाब प्रांत के मुख्यमंत्री रह चुके हैं, जिसे पाकिस्तान का दिल कहा जाता है। दुनिया के हर हिस्से में नवाज और शहबाज के कनेक्शन हैं। हमारे देश से भी उनके अच्छे रिश्ते रहे हैं। नवाज लंदन में थे तो शहबाज ने पार्टी को बखूबी संभाला। नवाज के उलट शहबाज के पाकिस्तानी फौज के साथ अच्छे संबंध हैं। फौज का शहबाज को पूरा समर्थन है। शहबाज और नवाज के भारत से अच्छे रिश्ते रहे हैं। दोनों देशों के बीच एक साल से ज्यादा वक्त से सीजफायर है। अब ये ज्यादा मजबूत तरीके से चल सकता है। पाकिस्तान सेना प्रमुख कमर बाजवा पिछले दिनों सीजफायर के मुद्दे को उठा चुके हैं। बाजवा का कहना है कि यदि भारत इस मुद्दे पर राजी है तो पाक को कोई आपत्ति नहीं है। साथ ही दोनों देशों के बीच आधिकारिक रूप से व्यापार शुरू हो सकता है। इमरान ट्रेड का विरोध करते रहे थे। इमरान खान ने सीधे तौर पर अमेरिका से पंगा लिया। चीन का साधना चाहा, लेकिन वो भी नहीं हो पाया। अब शहबाज शरीफ फिर से अमेरिका की ओर झुकेंगे। हालांकि, बहुत खुलकर नहीं। क्योंकि उन्हें कुछ महीने बाद चुनाव में जाना है और पाकिस्तान में अमेरिका विरोधी सेंटीमेंट्स हैं। इमरान इसे कैश करने की कोशिश करेंगे। नवाज सरकार के दौरान भी पाकिस्तान की अमेरिका समर्थक विदेश नीति रही थी। इमरान खान की तालिबान के प्रति ढुलमुल नीति के कारण पाकिस्तान की अफगानिस्तान से लगती सीमा पर बाड़बंदी का मामला विवाद का मुद्दा बना हुआ है। पाकिस्तान के सैनिकों को तालिबानी लड़ाकों की फायरिंग झेलनी पड़ती है। तीन साल में पाकिस्तानी सेना के 550 से ज्यादा सैनिक मारे गए। शहबाज शरीफ अफगान तालिबान के साथ सुलह की कोशिश करेंगे। उन्हें मौलाना फजल-उर-रहमान का साथ मिलेगा। रहमान की तालिबान बहुत इज्जत करते हैं। शहबाज शरीफ अपने बड़े भाई और लंदन में इलाज के नाम पर रह रहे नवाज शरीफ की वापसी तय करेंगे। उनके लिए ये बिल्कुल मुश्किल नहीं होगा, क्योंकि अयोग्यता से जुड़ा विधेयक पारित कराया जा सकता है। नवाज पनामा पेपर्स में नाम आने के बाद से लंदन में हैं। शरीफ परिवार इसे हमेशा से राजनीतिक साजिश कहता रहा है। शहबाज पर भ्रष्टाचार के आरोप साबित नहीं हुए हैं। पाकिस्तान में बढ़ती महंगाई के कारण इमरान सरकार के खिलाफ अवाम में जबरदस्त गुस्सा है। महंगाई दर 14 फीसदी हो चुकी है। शहबाज के सामने सबसे बड़ी चुनौती महंगाई को कम करना होगा। पाकिस्तान को अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष से कर्ज लेना पड़ेगा। चूंकि अमेरिका का साथ रहेगा, इसलिए ये मुश्किल तो नहीं होना चाहिए।

रामनवमी या रावणनवमी ?

इस बार भारत में हमने रामनवमी कैसे मनाई? हमने रामनवमी को रावणनवमी में बदल दिया। देश के कई शहरों और गांवों में एक समुदाय के लोग दूसरे समुदाय से भिड़ गए। यहां तक की जवाहरलाल नेहरु विश्वविद्यालय के छात्र, जिन्हें देश में अत्यंत प्रबुद्ध माना जाता है, वे भी आपस में भिड़ गए। कई शहरों में लाठियां, ईंट और गोलियां भी चलीं। कुछ प्रदर्शनकारी पुलिस की ज्यादती के भी शिकार हुए। यह सब हुआ है, उसके जन्म दिन पर, जिसे अल्लामा इक़बाल ने 'इमामे हिंद' कहा है। इकबाल का शेर है- है राम के वजूद पे हिंदोस्तां को नाज़। अहले-नज़र समझते हैं इसको इमामे हिंद!! राम को भगवान भी कहा जाता है और मर्यादा पुरुषोत्तम भी। लेकिन राम के नाम पर कौनसी मर्यादा रखी गई? राम को सांप्रदायिकता के कीचड़ में घसीट लिया गया। इसके लिए हमारे देश के वामपंथी और दक्षिणपंथी तथा हिंदू और मुसलमान, दोनों जिम्मेदार हैं। यदि रामनवमी का उत्सव मना रहे पूजा-पाठी छात्र कह रहे हैं कि पूजा-स्थल के तंबू के पास ही छात्रावास में मांस पकाया और खिलाया जा रहा है तो उससे हमें दुर्गंध आती है तो उनका दिल रखते हुए मांसाहार कहीं और भी उस समय करवाया जा सकता था और यदि मांसाहारी छात्र चाहते तो पूजा के घंटे भर पहले या बाद में भी भोजन कर सकते थे लेकिन यह झगड़ा तो न राम से संबंधित था और न ही मांसाहार से! इसके मूल में संकीर्ण राजनीति थी। वामपंथ और दक्षिणपंथ की! मांसाहार का समर्थन करनेवालों में हिंदू छात्र भी थे। हिंदू मांसाहारी तो अपना औचित्य ठहराने के लिए भवभूति के ग्रंथ 'उत्तरराम चरित्रम', प्रसिद्ध तांत्रिक मत्स्येंद्रनाथ और गोरखनाथ और चार्वाक के मद्यं, मांसं, मीनश्च, मुद्रा, मैथुनमेव च श्लोक तथा उपनिषदों के कई प्रकरणों को भी उद्धत कर डालते हैं। वे वेदमंत्रों के भी मनमाने अर्थ लगा डालते हैं लेकिन वे वैज्ञानिकों और अर्थशास्त्रियों के उन तथ्यों और तर्कों को मानने के लिए कभी भी तैयार नहीं होते कि मांसाहार स्वास्थ्य और अर्थव्यवस्था के लिए घाटे का सौदा है। इसी तरह कुछ शहरों में मंदिरों और मस्जिदों के आगे भी बम फोड़े गए, पत्थर मारे गए और गोलियां तक चलीं। आप क्या समझते हैं कि यह काम किसी सच्चे ईश्वरभक्त या अल्लाह के बंदे का हो सकता है? बिल्कुल नहीं! यदि कोई सच्चा ईश्वरभक्त या अल्लाह का बंदा है तो उसके लिए ईश्वर और अल्लाह अलग-अलग कैसे हो सकते हैं? वह तो एक ही है। बस, उसकी भक्ति के रुप अलग-अलग हैं। ये रूप देश-काल और परिस्थितियों से तय होते हैं। यदि सारे विश्व में देश-काल और परिस्थितियां एक-जैसी होतीं तो इतने सारे धर्म, मजहब, रिलीजन होते ही नहीं। इस विविधता को धर्मांध लोग नहीं समझ पाते हैं। इसीलिए वे रामनवमी को रावणनवमी बना डालते हैं। किसी शायर ने क्या खूब लिखा है:

आए दिन होते हैं, मंदिरों-मस्जिद के झगड़े,
दिल में ईंट भरी हैं, लबों पर खुदा होता है।

(लेखक-डॉ. वेदप्रताप वैदिक/ईएमएस)

दैनिक पंचांग

12 अप्रैल 2022 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

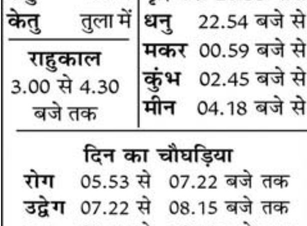

मंगलवार 2022 वर्ष का 102 वां दिन
दिशाशूल उत्तर **ऋतु** बसंत।
विक्रम संवत् 2079 **शक संवत्** 1944
मास चैत्र **पक्ष** शुक्ल
तिथि एकादशी 05.03 बजे प्रातः को समाप्त।
नक्षत्र आश्लेषा 08.35 बजे को समाप्त।
योग शूल 12.03 बजे को समाप्त।
करण वणिज 16.52 बजे तदनन्तर विष्टि 05.03 बजे प्रातः को समाप्त।
चन्द्रायु 10.7 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 08° 36'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1871216
जूलियन दिन 2459681.5
कलियुग संवत् 5123
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2548
हिजरी सन् 1443
महीना रमजान **तारीख** 10
विशेष कामदा एकादशी।

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	मीन में	मेष	05.53 बजे से
चंद्र	सिंह में	वृष	07.33 बजे से
मंगल	कुंभ में	मिथुन	09.31 बजे से
बुध	मेष में	कर्क	11.44 बजे से
गुरु	कुंभ में	सिंह	14.00 बजे से
शुक्र	कुंभ में	कन्या	16.12 बजे से
शनि	मकर में	तुला	18.23 बजे से
राहु	मेष में	वृश्चिक	20.38 ब.से
केतु	तुला में	धनु	22.54 बजे से
राहुकाल		मकर	00.59 बजे से
3.00 से 4.30		कुंभ	02.45 बजे से
बजे तक		मीन	04.18 बजे से

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
रोग	05.53 से	07.22 बजे तक	काल	05.42 से	07.13 बजे तक
उद्वेग	07.22 से	08.15 बजे तक	लाभ	07.13 से	08.45 बजे तक
चर	08.15 से	10.19 बजे तक	उद्वेग	08.45 से	10.16 बजे तक
लाभ	10.19 से	11.48 बजे तक	शुभ	10.16 से	11.48 बजे तक
अमृत	11.48 से	01.16 बजे तक	अमृत	11.48 से	01.19 बजे तक
काल	01.16 से	02.45 बजे तक	चर	01.19 से	02.51 बजे तक
शुभ	02.45 से	04.13 बजे तक	रोग	02.51 से	04.22 बजे तक
रोग	04.13 से	05.42 बजे तक	काल	04.22 से	05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

क्या पड़ौसी देशों से कुछ सबक लेगा भारत..?

हमारे पड़ौसी देशों श्रीलंका-पाकिस्तान की सरकारें जिन कारणों से संकट में आई, क्या उन कारणों से भारत अछूता है? पाकिस्तान की सरकार प्रधानमंत्री के अहंकार और श्रीलंका की सरकार मुफ्तखोरी की सुविधाऐं मुहैय्या कराने के कारण संकट में आई, क्या ये दोनों स्थितियां हमारे देश में नहीं है क्या हमारे देश के प्रधानमंत्री जी अहंकार के दौर से नहीं गुजर रहे है? क्या हमारे देश में सरकार द्वारा मतदाताओं को अपने दल के पक्ष में खड़ा करने के लिए कल्याणकारी योजनाओं के नाम पर मुफ्तखोरी शुरू नहीं की? जिन पर देश का सर्वोच्च न्यायालय ने चेतावनी भरा जिक्र भी किया, अब यदि प्रजातंत्र के तीन अंग एक दूसरे की चेतावनियों पर ही ध्यान न दें तो फिर इसमें किसका दोष?

खैर, हमारे पड़ौसी देशों का जो हश्र हुआ, वह अपनी जगह है, हम उसे सुधार तो नहीं सकतें, लेकिन उनसे सबक तो ले ही सकते है, अब हमारे देश में प्रजातंत्र के तीनों अंग इतने मुखर हो गए है कि वे एक-दूसरे को उपदेश देने की स्थिति में आ गए है। प्रजातंत्र के तीनों अंगों विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका के हमारे संविधान में अलग-अलग कार्यक्षेत्र है तथा संविधान स्पष्ट कहता है कि एक अंग को दूसरे अंग के कार्यक्षेत्र में हस्तक्षेप नहीं करना चाहिये, किंतु आज क्या ऐसा हो रहा है, आज तो भारत में प्रजातंत्र के दो ही अंग कार्यरत है, क्योंकि कार्यपालिका और विधायिका तो सम्मिलित हो गया है, जिसकी चेतावनी न्यायपालिका ने दी भी है, न्यायपालिका (सर्वोच्चा न्यायालय) ने कार्यपालिका (नौकरशाहों) का कहा है कि वे राजनेताओं के संरक्षण में न रहे अपना स्वयं का अस्तित्व बनाकर रखें, किंतु आज तो देश की क्या राज्यों की नौकरशाही भी सत्तारूढ़ दल व उनके नेताओं के नियंत्रण में नजर आ रही है सरकार की वास्तविक संचालक होने के बावजूद आज की नौकरशाही वहीं कर रही है जो नेतागण चाहते है, अब ये प्रजातंत्र निष्कलंक कैसे रह सकता है, जहां तक तीसरे अंग न्यायपालिका का सवाल है, उसे तो सत्तारूढ़ दल (कार्यपालिका व विधायिका) द्वारा कोई महत्व ही नहीं दिया जा रहा है और वह जब सरकार के गैर प्रजातांत्रिक कृत्य उजागर करती है तो उसे विरोधी दलों का साथी करार दे दिया जाता है।

सही पूछों तो आज देश की राजनीति लफ्फाजी और बदले की भावना पर टिकी है, देश के सर्वोच्च नेता अहंकारवश कुछ भी किसी पर भी आरोप लगा देते है, फिर वह चाहे परिवारवाद का आरोप ही क्यों न हो? और फिर वे यह नहीं देखतें कि उनका अपना राजनीतिक दल क्या परिवारवाद से अछूता है? बल्कि यदि यह कहा जाए कि जिन नेताओं का अपना कोई परिवार नहीं है, वे ही परिवारवाद की बात करते है तो कतई गलत नहीं होगा। दूसरे जैसा कि देश के एक वरिष्ठ मंत्री और पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष ने यह कहा कि ''ज्यादा समय तक सत्ता में बने रहने से व्यक्ति या दल में अहंकार की भावना बढ़ जाती है''। वही स्थिति आज हमारे देश में है, यद्यपि प्रजातांत्रिक पद्धति को श्रेष्ठ पद्धति माना जाता है, लेकिन इसमें भी अब पचहत्तर साल बाद कई दुर्गुण समाहित हो गए है, ये दुर्गुण दूर हो सकते है, हमारा संविधान उन्हें दूर कर सकता है, किंतु यदि संविधान पुस्तिका की सीमा सिर्फ शपथ-ग्रहण तक ही सीमित कर दी जाए और धार्मिक ग्रंथ की तरह समय-समय पर उसकी पूजा की जाए, तो फिर प्रजातंत्र के दोष कैसे दूर हो सकते है?

आज तो राजनीति का एक मात्र उद्धेश्य सत्ता प्राप्ति और उसे दीर्घजीवी बनाने तक ही सीमित रह गया है, पांच साल में एक बार वोट प्राप्त करने की मजबूरी में जनता को याद कर लिया जाता है, बाद में हमारे आधुनिक भाग्यविधाता सब कुछ भुला देते है, सिर्फ सत्ता, पैसा और रूतबे को छोड़कर, तो फिर ऐसे प्रजातंत्री देश के भविष्य के बारे में क्या कहा जा सकता है?

यद्यपि ये आज के राजनेताओं के लिए बातें काफी कड़वी है, किंतु वास्तविकता उजागर करना भी तो पत्रकारिता का एक प्रमुख अंग है? यही सोचकर आज मैंने यह हिम्मत भरा प्रयास किया अब तो यह सोचने-समझने का वक्त है कि इस मौजूदा संकटकाल से प्रजातंत्र को सही सलामत कैसे बचाया जाए? यदि अभी भी इस मसले पर गंभीर चिंतन नहीं किया गया और सत्तारूढ़ दल व उसके भाग्यविधाता लोभ-मोह की निद्रा से नहीं जागे तो फिर भविष्य की तो कल्पना करना ही व्यर्थ होगा, क्योंकि पाकिस्तान व लंका में जो कुछ हुआ व हो रहा है, वह हमारे सामने है। (लेखक-ओमप्रकाश मेहता / ईएमएस)

कहो तो कह दूं-कल तक हम जिसे ''निचोड़ते'''' थे वो आज हमें ''निचोड़'' रहा

कहते हैं न कभी नाव पानी पर तो कभी पानी नाव पर, ये कहावत ऐसे ही नहीं बनी है, हर चीज का समय आता है कल तक जिस ''नीबू'' को हम निचोड़ते थे वो आज पूरे देश की जनता को निचोड़ने में लगा हुआ है त पूरे बाजार में एक एक नीबू के लिए लम्बी लाइनें लगी हुई हैं, लोग बाग़ एक नीबू पाने के लिए धक्का मुक्की कर रहे हैं, सरकार भी भारी परेशान है कि आखिर नीबूओं का ''डिस्ट्रीब्यूशन'' किस तरह से करे त कंही एक नीबू दस रूपये का मिल रहा है तो कंही पंद्रह रूपये का, इधर गर्मी आग उगल रही है ,नीबू पानी और लेमन शर्बत पीने वाले हाथ जोड़कर नीबुओं के सामने खड़े है कि हे नीबू हम लोगों पर ऐसा जुलुम मत ढाओ, तुम्हारे सिवाय हमें इस गरमी से कौन निजात दिला सकता है, एक तुम ही तो हो जो इस भीषण गर्मी से हमारी रक्षा कर सकते हो । लोग बाग़ उन दिनों को याद कर रहे है जब दस रुपये में दस नीबू मिल जाया करते थे और वो भी रस भरे, लेकिन आज हालात ऐसे हैं कि दस रूपये का एक नीबू मिल भी जाए तो वो अपने अंदर से कुल जमा दो या तीन बूंदे गिराता है त दूकानदार शो रूम वालों की भी रातों की नींद हराम हो गयी है कि अब उनकी दूकान को नजर लगने से कैसे बचाया जाए, जब तक नीबू का साथ नहीं होगा तो अकेली मिर्ची भला क्या कर लेगी, हाल ये है कि शादी ब्याह में लड़के वाले दहेज़ में ना तो कार मांग रहे हैं न ही नगद, उनकी एक ही मांग है की ठएक बोरा नीबूठ दहेज़ में दे दो लेकिन लड़की वाले उनकी इस मांग को पूरी करने में अपने आप को लाचार मान रहे हैं त सोने चांदी के जेवरात बनाने वालो की दुकाने खाली पड़ी है क्योकि लड़की वाले लड़के को ठसोने की चैनठ देने की बजाय नीबुओं की माला गले में डालने में अपने आप को धन्य मान रहे हैंऔर लड़के वाले भी हंसी ख़ुशी से इस माला को स्वीकार कर रहे हैं , पता चला है कि इस मसले पर मंत्रीमंडल की बैठकें लगातार हो रही हैं कि आखिर इन नीबुओं के क्रोध को कैसे शांत किया जाएत न तो आदमी पेट्रोल के बढ़ते दामों की चर्चा कर रहा है न डीजल की, न मंहगाई के बारे में सोच रहा है, ले देकर एक ही चर्चा है कि येन केन प्रकारेण दो चार नीबू मिल जाएँ लेकिन नीबू हैं तो ऐसे गोल हो गए है बाजार से जैसे चुनाव के बाद नेता त सुन तो ये भी भी रहे हैं कि ''तस्करों'' ने तमाम चीजों की तस्करी छोड़कर नीबुओं की तस्करी शुरू कर दी है और उसमें उन्हें खासा मुनाफा भी हो रहा है अपना तो कहना है कि भैया नीबू माना कि हम लोगों ने तुम को खूब निचोड़ा है, चाकुओं से काटा है, अचार के बहाने गलाया भी है लेकिन इसका बदला ऐसे तो न लो तुम्हारे बिना हम सब अनाथ हो गये हैं अब तुम ही हो जो हमें बचा सकते हो इस भीषण गर्मी से हम ईश्वर की शपथ लेते हैं कि आज के बाद तुम्हें इस बेदर्दी से नहीं निचोडने लेकिन अब तुम लोगों को निचोड़ना छोड़ दो (लेखक-चैतन्य भट्ट / ईएमएस)

आज का इतिहास 12 अप्रैल

1545 फ्रांस नरेश फ्रांसिस प्रथम ने वादोइस प्रोटेस्टेन्टों के संहार का आदेश जारी किया.
1654 आयरलैंड और स्काटलैंड इंग्लैंड से मिल गये.
1850 फ्रांसीसी फौजों ने रोम पर कब्जा किया.
1861 अमेरिका में गृहयुद्ध शुरू हुआ.
1945 अमेरिका राष्ट्रपति फ्रैंकलिन डी.रूजवेल्ट का निधन हुआ और हैरी एस. ट्रमस राष्ट्रपति बने.
1957 पश्चिम जर्मनी के वैज्ञानिकों नें परमाणु बम बनाने या उसके परीक्षण में सहयोग देने से इंकार कर दिया.
1961 सोवियत संघ ने यूरी गागरिन को अंतरिक्ष में भेजा .
1966 उत्तर वियतनाम पर अमेरिकी विमानों ने पहली बार बमबारी की.
1978 भारतीय रेलवे के 125 वर्ष पूरे होने पर मुम्बई के विक्टोरिया टर्मिनल से पुणे तक सिंहगढ़ एक्सप्रेस चलाई गयी.
1987 सोवियत संघ के दो अंतरिक्ष यात्री अंतरिक्ष माडयूल को अंतरिक्ष केन्द्र मीर से जोड़ने में सफल रहे.
1989 लेबनान का गृहयुद्ध को पंद्रहवें वर्ष में प्रवेश कर गया.
1993 नाटो के विमानों ने बोस्निया के ऊपर उड़ान निषिद्ध क्षेत्र में गश्त शुरू की.
2002 नेपाल में माओवादियों के हमले में 84 पुलिसवालों सहित 102 लोग मरे.
2004 लखनऊ में साड़ी बांटने के दौरान हुई भगदड़ में 24 महिलाएं मरी.

मौसम करे भी तो क्या करे

इंसान को किसी भी बात में चैन नहीं है, अब देखो न इन दिनों गर्मी पड़ रही है तो इंसान परेशान है, हाय गर्मी हाय गर्मी चिल्ला रहा है अरे भाई गर्मी के मौसम में गर्मी नहीं पड़ेगी तो क्या बर्फ गिरेगी त जब तक ठण्ड थी तो उसका रोना रोते थे कि कितनी ठण्ड पड़ रही है दस दस दिन नहाते नहीं थे, रजाई के भीतर दुबके रहते थे सुंबह उठने की तो आदत तो भूल ही गये थे , फिर बरसात आई तो फिर जार जार आंसू बहाने लगे कि कितनी बारिश हो रही है, सड़कों पर कीचड मचा है, बारिश के कारण काम पर नहीं जा पा रहे हैं, नदियों में बाढ़ आ गयी है, घर बार मवेशी सब बह रहे हैं भगवान अब तो पानी बरसाना बंद कर दो, मौसम को भी पानी पी पीकर कोसते थे कि ऐसी कैसी बारिश है जो रुकने का नाम ही नहीं ले रही है, और यदि पानी नहीं बरसता है तो हाय तौबा मचाते हैं कि बारिश नहीं हो रही है नदियाँ सूख रही हैं, तालाब कुयें सूख रहे हैं, पीने को पानी नहीं मिल रहा है , अब गर्मी आ गयी तो उससे भी परेशान हैं कि लू चल रही है घर से निकलें भी तो कैसे निकलें, अब बताओ बेचारा मौसम करे भी तो क्या करे, ऊपर वाले ने ने उसे जो करने का आदेश दिया है वो ही तो वो कर रहा है अब इसमें भी इंसान कों दिक्कत है तो फिर तो इनको कोई खुश नहीं रख सकता ये बात तो पूरी तरह से तय हो गयी हैत

पता चला है कि अपने प्रदेश के नौ सौ से ही ज्यादा शिक्षकों को इस बात के लिए नोटिस दिया गया है कि आपके घर ''तीसरी संतान'' कैसे पैदा हो गयी जबकि सरकार ने सन दो हजार में ही ये नियम लागू कर दिया था कि जिन शिक्षकों के घरों में तीसरी संतान हुई तो उन्हें नौकरी के लिए अपात्र घोषित कर दिया जाएगा त शिक्षक लोग इस नोटिस को लेकर चिंतित है कि वे क्या जवाब दें कि तीसरी संतान कैसे हो गयी । बताया जा रहा है कि करीब पांच सौ शिक्षकों ने जवाब भी दिए हैं किसी ने कह दिया की हमें नियम का पता नहीं था, किसी ने कहा कि नियम आने के पहले ही उनकी पत्नी गर्भवती हो गयी थी ,तो किसी ने कहा कि वे अपनी तीसरी संतान को किसी रिश्तेदार को गोद दे देंगे तरह तरह के जवाब आ रहे हैं , लेकिन अपना तो सरकार से एक ही सवाल है कि कहा तो ये ही जाता है कि संतान तो ऊपर वाले का प्रसाद होती है उसमें इन शिक्षकों का भला क्या दोष है, और यदि तीसरी संतान हो ही गयी तो उसके लालन पोषण की जिम्मेदारी तो उसके बाप की है, वो उसे कैसे पालेगा ये उसका सर दर्द है सरकार को अपनी टांग घुसेड़ने की क्या जरूरत है, एकाध नजर नेताओं की तरफ भी डाल ले सरकार जो आठ आठ, दस दस बच्चों के बाप बने हुए हैं उनको कौन अपात्र घोषित करेगा ले दे कर शिक्षक ही एक ऐसी कौम है जिस पर सरकार जीन कसे रहती हैत चुनाव डयूटी हो तो शिक्षक, जनसंख्या का पता लगाना हो तो शिक्षक, जानवरों की संख्या पता लगाना हो तो शिक्षक, पोलियो के ड्राप पिलाना हो तो शिक्षक, सर्वे करना हो तो शिक्षक, यानि हर चीज में शिक्षक ही पकड़ में आते है अब यदि उनके यही तीसरी संतान हो ही गयी तो सरकार को क्या ऑब्जेक्शन है ये सवाल तो बनता हैत

सुपर हिट ऑफ़ द वीक

श्रीमती जी उदास बैठी थीं श्रीमान जी ने पूछा

''क्या बात है तुम इतनी उदास क्यों लग रही हो, गुमसुम सी बैठी क्या क्या सोच रही हो''

''ऐसी कोई खास बात नहीं है, बस कुछ दिनों से ये ही चिंता खाये जा रही है कि मेरी कोशिशों में आखिर क्या कसर रह गयी कि शादी के इतने सालों बाद भी तुम मुस्कुरा लेते हो'' श्रीमती जी का उत्तर था।

नेपाल केंद्रीय बैंक ने वाहनों और अन्य महंगी या लग्जरी वस्तुओं के आयात पर रोक लगाई

काठमांडू (ईएमएस)। नेपाल के केंद्रीय बैंक ने वाहनों और अन्य महंगी या लग्जरी वस्तुओं के आयात पर रोक लगाने की घोषणा की है। केंद्रीय बैंक ने यह कदम नकदी की कमी और घटते विदेशी मुद्रा भंडार के कारण उठाया है। हालांकि, सरकार ने आश्वासन दिया था कि देश की अर्थव्यवस्था श्रीलंका की तरह गर्त में नहीं जाएगी। नेपाल के वाणिज्यिक बैंकों के अधिकारियों के साथ उच्चस्तरीय बैठक के बाद केंद्रीय बैंक नेपाल राष्ट्र बैंक (एनआरबी) ने पिछले हफ्ते ये निर्देश जारी किए। एनआरबी के प्रवक्ता गुणाखार भट्ट ने कहा, ''हमें अर्थव्यवस्था में किसी तरह के संकट के संकेत नजर आ रहे हैं, जो मुख्यतः आयात बढ़ने की वजह से हैं। इसलिए हम उन वस्तुओं के आयात को रोकने पर विचार कर रहे हैं जिनकी तुरंत आवश्यकता नहीं है।''आयात बढ़ने, पर्यटन एवं निर्यात से होने वाली आय की कमी और भुगतान प्रवाह घटने के कारण नेपाल के विदेशी मुद्रा भंडार में जुलाई, 2021 से गिरावट आ रही है। केंद्रीय बैंक के आंकड़ों के मुताबिक, फरवरी, 2022 तक देश का विदेशी मुद्रा का कुल भंडार 17 प्रतिशत घटकर 9.75 अरब डॉलर रह गया था।

सोना 59 रुपये की तेजी के साथ 51,787 रुपये प्रति 10 ग्राम

मुंबई (ईएमएस)। मजबूत हाजिर मांग के कारण सटोरियों ने ताजा सौदों की लिवाली की, इससे वायदा कारोबार में सोमवार को सोने का वायदा भाव 59 रुपये की तेजी के साथ 52,130 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गया। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज में सोने का जून डिलीवरी वाले अनुबंध का भाव 59 रुपये या 0.11 प्रतिशत की तेजी के साथ 52,130 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गया। इसमें 18,196 लॉट के लिए कारोबार हुआ। बाजार विश्लेषकों ने कहा कि कारोबारियों द्वारा ताजा सौदों की लिवाली के कारण सोना वायदा कीमतों में तेजी आई। वैश्विक स्तर पर न्यूयॉर्क में सोना 0.18 प्रतिशत की तेजी के साथ 1,949.10 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रहा था।

शब्द पहेली - 7253

बाएँ से दाएँ
1.अभिप्राय,अभिव्यक्ति-3
3.सादापन,भोलापन-4
6.अवश्य-3
7.कांच का मर्तबान-2
8.पानी से सराबोर-2
10.करधनी,कमर में पहना जाने वाला आभूषण-5
12.उद्धार,उत्कृष्ट-3
15.माला का मोती-3
17.सेवक,रोगी की देखभाल करने वाला-5
20.एक छोटी सवारी गाड़ी-2
22.चलने का ढ़ंग-2
23.गर्भ-3
24.निम्न,निकृष्ट-4
25.कथा,गाथा-3

ऊपर से नीचे
2.कमरे में बंद करना-5
3.ईमान,नियत-3
4.क्षारीय-4
5.दीदार-3
7.आशिक,यार-2
9.एक विदेशी मदिरा-2
11.लीन,व्यस्त,मशगूल-3
13.उपस्थित-3
14. चलाने वाला, संचालक-5
15.मतवाला,उन्मादी-4
16.चाचा,अंकल-2
18.पैंतरा,वेग-2
19.काफी,कोको -3
21.गिरवी वस्तु-3

शब्द पहेली -7252 का हल

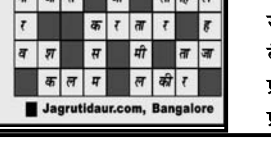

Jagrutidaur.com, Bangalore

खेल-समाचार

चार हार के बाद आज आरसीबी के खिलाफ जीतने उतरेगी सीएसके

मुंबई (ईएमएस)। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) लगातार 4 मैच हार चुकी है। आईपीएल 2022 के एक मुकाबले में मंगलवार को टीम रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर (आरसीबी) के खिलाफ उतरेगी। मुख्य कोच स्टीफन फ्लेमिंग ने स्वीकार किया है कि लगातार 4 हार से मौजूदा टीम का आत्मविश्वास डगमगा गया है। 4 बार की चैंपियन चेन्नई ने रवींद्र जडेजा की अगुवाई में अभी तक उस तरह की क्रिकेट नहीं खेली है, जिसके लिए टीम हमेशा से जानी जाती है। जडेजा अभी तक आगे बढ़कर नेतृत्व करने में नाकाम रहे हैं। महेंद्र सिंह धोनी, रॉबिन उथप्पा, अंबाती रायुडू और ड्वेन ब्रावो जैसे सीनियर खिलाड़ियों को संकट की इस स्थिति में अधिक जिम्मेदारी निभानी होगी।

सीएसके ने अब तक मैच में 200 रन से अधिक का स्कोर बनाया, लेकिन बाकी 3 मैचों में उसके बल्लेबाज नहीं चल सके थे। उनका सामना अब आरसीबी के मजबूत गेंदबाजी आक्रमण से होगा, इसमें स्पिनर वानिंदु हसरंगा, डेविड विली और मोहम्मद सिराज शामिल हैं।युवा ऋतुराज गायकवाड़ अभी तक नहीं चल पाए और उन्हें बड़ी पारी खेलने की जरूरत है। वहीं ऑलराउंडर मोईन अली और शिवम दुबे को भी अधिक जिम्मेदारी लेनी होगी। फ्लेमिंग ने स्वीकार किया कि टीम को तेज गेंदबाज दीपक चाहर की कमी खल रही है, जो चोटिल होने के कारण अभी तक किसी मैच में नहीं खेल सके हैं।

वहीं आरसीबी ने अब तक सभी विभागों में अच्छा प्रदर्शन किया हैं, जिससे टीम आत्मविश्वास से भरी है। सलामी बल्लेबाज अनुज रावत ने मुंबई इंडियंस के खिलाफ अर्धशतक जमाया, जबकि विराट कोहली ने भी रन बनाए। कप्तान फाफ डुप्लेसी किसी भी आक्रमण की धज्जियां उड़ाने में सक्षम हैं। आरसीबी के शीर्ष क्रम के तीनों बल्लेबाज अभी अच्छी फॉर्म में हैं। दिनेश कार्तिक आरसीबी के लिए 'फिनिशर' की भूमिका बखूबी निभा रहे है तथा इंजीनियर से क्रिकेटर बने शाहबाज अहमद ने भी अब तक अपने प्रदर्शन से प्रभावित किया है। चेन्नई के गेंदबाजों में ब्रावो को छोड़कर कोई भी अन्य प्रभावित नहीं कर पाया है। मुकेश चौधरी अब तक उसके लिए कमजोर कड़ी साबित हुए हैं।

चेन्नई सुपर किंग्सः महेंद्र सिंह धोनी, रवींद्र जडेजा (कप्तान), मोईन अली, ऋतुराज गायकवाड़, ड्वेन ब्रावो, दीपक चाहर, अंबाती रायुडू, रॉबिन उथप्पा, मिशेल सेंटनर, क्रिस जॉर्डन, एडम मिल्ने, डेवोन कॉनवे, शिवम दुबे, ड्वेन प्रिटोरियस, महेश तीक्ष्णा, राजवर्धन हैंगरगेकर, तुषार देशपांडे, केएम आसिफ, सी हरि निशांत, एन जगदीसन, सुब्रंशु सेनापति, के भगत वर्मा, प्रशांत सोलंकी, सिमरजीत सिंह, मुकेश चौधरी।

रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोरः विराट कोहली, ग्लेन मैक्सवेल, मोहम्मद सिराज, फाफ डुप्लेसी, हर्षल पटेल, वानिंदु हसरंगा, दिनेश कार्तिक, जोश हेजलवुड, शाहबाज अहमद, अनुज रावत, आकाश दीप, महिपाल लोमरोर, फिन एलन, शेरफेन रदरफोर्ड, जेसन बेहरेनडॉर्फ, सुयश प्रभुदेसाई, चामा मिलिंद, अनीश्वर गौतम, कर्ण शर्मा, डेविड विली, रजत पाटीदार, सिद्धार्थ कौल।

अश्विन आईपीएल के इतिहास में रिटायर्ड आउट होने वाले पहले खिलाड़ी बने

मुंबई (ईएमएस)। राजस्थान रॉयल्स की टीम आईपीएल 2022 के टेबल में टॉप पर पहुंच गई है। टीम ने मुकाबले में लखनऊ सुपर जायंट्स को 3 रन से हराया। यह टीम की 4 मैचों में तीसरी जीत है। लेकिन राजस्थान की टीम नई सोच के कारण भी टेबल में नंबर-1 पर पहुंची है। वहीं अश्विन आईपीएल के इतिहास में रिटायर्ड आउट होने वाले पहले खिलाड़ी बने हैं। राजस्थान ने उन्हें 19वें ओवर में वापस बुला लिया था। तब वे 23 गेंद पर 28 रन बनाकर खेल रहे थे। 2 छक्के लगाए थे। उनकी जगह उतरे रेयान पराग ने 4 गेंद पर 8 रन बनाए।इसमें एक छक्का भी शामिल है। अंत में यही रन के लिए महत्वपूर्ण साबित हुए।

आर अश्विन 10वें ओवर में बल्लेबाजी करने उतरे। उस समय टीम का स्कोर 4 विकेट पर 67 रन था। उन्होंने 5 विकेट के लिए शिमरोन हेटमायर के साथ 51 गेंद पर 68 रन जोड़े। अश्विन अंतिम 5 गेंद पर 5 ही रन बना सके थे। इस कारण उन्हें रिटायर्ड किया गया। उनकी जगह उतरे रेयान पराग ने 20वें ओवर की चौथी गेंद पर जेसन होल्डर पर छक्का जड़ दिया। मैच के दौरान टीम के साथी खिलाड़ी जिमी नीशम ने कहा था कि हेटमायर और अश्विन पारी को आगे बढाएंगे।

नियम 25.4 में बल्लेबाज के रिटायर होने के बारे बताया गया है। जब कोई बल्लेबाज अंपायर या विपक्षी टीम के कप्तान से बिना सलाह लिए पारी बीच में ही छोड़कर चला जाता है, उसे रिटायर्ड आउट माना जाता है। नियमों के मुताबिक इस विकेट माना जाता है। दूसरी ओर, रिटायर्ड हर्ट बल्लेबाज टीम की जरूरत के मुताबिक दोबारा बल्लेबाजी के लिए मैदान पर उतर सकता है। यदि वह चोट या अन्य दूसरे कारणों से मैदान छोड़कर जाता है।

टी20 क्रिकेट में रिटायर्ड आउट होने वाले आर अश्विन चौथे खिलाड़ी हैं। सबसे पहले ऐसा मामला 2010 में आया था। पाकिस्तान के शाहिद अफरीदी टूर मैच में नॉर्थमशायर के खिलाफ 14 गेंद पर 42 रन बनाकर रिटायर्ड हो गए थे। वहीं 2019 में 2 बार ऐसा हुआ। भूटान-मालदीप के मैच में और बांग्लादेश प्रीमियर लीग के एक भी मैच में भी ऐसा हो चुका है।

3 पेनल्टी गंवाने के बावजूद ला लिगा में दूसरे स्थान पर पहुंचा बार्सिलोना

मैड्रिड (ईएमएस)। बार्सिलोना ने 3 पेनल्टी गंवाने के बावजूद लेवांते पर 3-2 से जीत दर्ज की, जिससे वह स्पेनिश फुटबॉल लीग ला लिगा में दूसरे स्थान पर पहुंच गया है। बार्सिलोना ने दूसरे हॉफ में तीन पेनल्टी गंवा दी थी, लेकिन सब्सिटिटयूट लुक डे जोंग का इंजरी टाइम में (90+2) किया गया गोल, उस तीन अंक दिला गया। जीत से बार्सिलोना ने सभी टूर्नामेंट में अपना अजेय अभियान 15 मैच तक पहुंचा दिया है। इससे वह ला लिगा तालिका में दूसरे स्थान पर पहुंच गया है। बार्सिलोना की ओर से इसके अलावा 59वें मिनट में पियरे एमरिक ने और 63वें मिनट में पेडरिक ने गोल किया। बार्सिलोना शीर्ष पर काबिज रियल मैड्रिड से 12 अंक पीछे है। रियल मैड्रिड ने गेटाफे को हराया था। एक अन्य मैच में रियल सोसिदाद ने एल्ची को हराकर चैंपियंलीग में अपनी जगह सुरक्षित करने की कवायद जारी रखी। अन्य मैचों में एस्पेनयोल ने सेल्टा विगो को और ओसासुना ने अलावेस को समान 1-0 के अंतर से हराया। रियल ने अभी तक हुए 31 में से 22 जबकि बार्सिलोना ने 30 में से 17 मुकाबले जीते हैं। रियल के 72 और बार्सिलोना के 60 अंक हैं।

वहीं मैनचेस्टर सिटी ने लिवरपूल के खिलाफ बेहद रोमांचक मैच को 2-2 से ड्रॉ खेलकर इंग्लिश प्रीमियर लीग (ईपीएल) जीतने की अपनी मजबूत संभावनाएं बरकरार रखी। लिवरपूल ने 2 बार पिछड़ने के बाद वापसी की। सिटी को केविन डि ब्रूएन ने 5वें मिनट में ही बढ़त दिला दी थी, लेकिन डिएगो जोटा ने 13वें मिनट में लिवरपूल को बराबरी दिला दी। गैब्रियल जीसस ने 37वें मिनट में सिटी को फिर से बढ़त दिलाई, लेकिन लिवरपूल साडियो माने के 46वें मिनट में किए गए गोल से बराबरी करने में सफल रहा। लिवरपूल के पास इस मैच में जीत से शीर्ष पर पहुंचने का मौका था, लेकिन वह दूसरे स्थान पर बना हुआ है। लिवरपूल के 31 मैचों में 73 जबकि सिटी के इतने ही मैचों में 74 अंक हैं।

'कुलचा' बने आईपीएल के नंबर-वन गेंदबाज, वर्ल्ड कप खेलने वाले वरुण चक्रवर्ती पिछड़े

नई दिल्ली (ईएमएस)। आईपीएल 2022 में 10 अप्रैल को डबल हेडर के मुकाबले खेले गए। पहला मैच दिल्ली कैपिटल्स और कोलकाता नाइट राइडर्स के बीच हुआ। वहीं दूसरा मुकाबला राजस्थान रॉयल्स और लखनऊ सुपर जायंट्स के दरम्यान खेला गया। इन दोनों अलग-अलग मैचों में टीम इंडिया में कुलचा के नाम से मशहूर जोड़ी कुलदीप यादव और युजवेंद्र चहल ने कमाल कर दिया। इंडियन प्रीमियर लीग के 15वें सीजन में दोनों गेंदबाजों ने दिखा दिया है कि टी20 वर्ल्ड कप टीम में उन्हें जगह न देकर चयनकर्ताओं ने शायद भूल की थी। बीते साल संयुक्त अरब अमीरात में खेले गए टी20 वर्ल्ड कप में कुलदीप यादव और युजवेंद्र चहल को दरकिनार कर टीम इंडिया के सेलेक्टर्स ने वरुण चक्रवर्ती पर भरोसा जताया था। मौजूदा आईपीएल में देखा जाए तो कुलदीप यादव और युजवेंद्र चहल नंबर वन गेंदबाज बन गए हैं। जबकि मिस्ट्री गेंदबाज वरुण चक्रवर्ती संघर्ष कर रहे हैं। चहल ने सबसे अधिक 11 विकेट लिए हैं। कुलदीप 10 विकेट के साथ दूसरे नंबर पर हैं। मुंबई में दिल्ली कैपिटल्स और केकेआर के बीच खेले गए मैच में कुलदीप यादव के आगे कोलकाता के बल्लेबाज संघर्ष करते नजर आए। एक समय जब पैट कमिंस और आंद्रे रसेल क्रीज पर मौजूद थे, तो ऐसा कहा जा रहा था कि केकेआर 216 रनों का टारगेट हासिल कर लेगा। लेकिन अपने स्पेल का आखिरी ओवर फेंकने आए कुलदीप ने मैच का रुख पलट दिया।

हार्दिक पांडया घ्ठ्ठ इतिहास में सबसे तेज 100 छक्के लगाने वाले भारतीय बल्लेबाज बने, इतने गेंदों पर किया यह कमाल

नई दिल्ली । गुजरात टाइटंस के कप्तान हार्दिक पांडया ने हैदराबाद के खिलाफ कप्तानी पारी खेलते हुए ना सिर्फ टीम को मुसीबत से निकाला बल्कि शानदार अर्धशतक भी लगाया। इस टीम की बल्लेबाजी देखकर लग नहीं रहा था टीम का स्कोर 150 के पार जा पाएगा, लेकिन हार्दिक पांडया ने बेहद समझदारी के साथ बल्लेबाजी करते हुए टीम के स्कोर को 150 के पार यानी 162 तक पहुंचाने में बड़ी भूमिका निभाई। हार्दिक पांडया ने इस मैच में 42 गेंदों का सामना करते हुए 1 छक्का और 4 चौकों की मदद से नाबाद 50 रन की पारी खेली। एक छक्के की मदद से उन्होंने इस लीग में एक शानदार रिकार्ड अपने नाम किया।

हार्दिक पांडया आइपीएल इतिहास में सबसे कम गेंदों का सामना करते हुए 100 छक्के लगाने वाले पहले भारतीय बल्लेबाज बने। इस लीग में उन्होंने अपना 100वां छक्का 1046वें गेंद पर लगाया। वहीं वो इस लीग में ओवरआल सबसे कम गेंदों का सामना करते हुए 100 छक्के लगाने के मामले में तीसरे नंबर पर आ गए। आइपीएल में सबसे कम गेंदों का सामना करते हुए 100 छक्के लगाने के मामले में आंद्रे रसेल पहले नंबर पर हैं तो वहीं क्रिस गेल इस मामले में दूसरे नंबर पर हैं। हार्दिक अब तीसरे नंबर पर आ गए तो वहीं किरोन पोलार्ड व मैक्सवेल चौथे और पांचवें नंबर पर हैं। हार्दिक पांडया ने इस मैच में 42 गेंदों का सामना करते हुए 1 छक्का और 4 चौकों की मदद से नाबाद 50 रन की पारी खेली। एक छक्के की मदद से उन्होंने इस लीग में एक शानदार रिकार्ड अपने नाम किया।

भारत ने टैंक रोधी गाइडेड मिसाइल 'हेलीना' का किया सफल परीक्षण

नई दिल्ली, एएनआइ। भारत ने सोमवार को टैंक रोधी गाइडेड मिसाइल 'हेलीना' का सफल परीक्षण किया। समाचार एजेंसी एएनआइ की रिपोर्ट के मुताबिक स्वदेश में विकसित इस मिसाइल को एक लाइट काम्बैट हेलीकाप्टर से ऊंचाई वाले क्षेत्र में प्रक्षेपित किया गया। परीक्षण के दौरान मिसाइल ने एक नकली टैंक के लक्ष्य को सफलतापूर्वक ध्वस्त किया। यह मिसाइल दुनिया में सबसे उन्नत एंटी टैंक हथियारों में शुमार है।

यह मिसाइल एक इन्फ्रारेड इमेजिंग सीकर (र्घ्ीि र्घ्रीुहु एावि, र्घ्ें) द्वारा गाइडेड होती है। मिसाइल का फ्लाइट टेस्ट रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (अ- हिर्म र्िार्म्ि ह अनत्दज्सहू र्ुीर्ुगदह, ऊंघ्ध), भारतीय सेना (र्घ्र्ीि र्ब) और भारतीय वायु सेना (र्घ्र्ीि ग इदीम) के वैज्ञानिकों की टीमों द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। इस मिसाइल का पोखरण में कई परीक्षण हो चुका है। अब ऊंचाई वाले इलाके पर हुए परीक्षण से इसकी सामरिक अहमियत बढ़ गई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि ऊंचाई वाले इलाके में ट्रायल से इस मिसाइल को लाइट काम्बैट हेलीकाप्टर पर लगाए जाने का मार्ग प्रशस्त हुआ है।

भारत करे रूस के छेड़े युद्ध का विरोध, व्हाइट हाउस ने बताई बाइडन की चाहत!

विलामिंगटन (ईएमएस)। अमेरिका लगातार भारत पर रूस-यूक्रेन युद्ध को लेकर रूस का विरोध करने का दबाव बना रहा है। वहीं भारत ने किसी भी गुट में न जाने की अपनी नीति को कायम रखा है। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन की चाहत एक बार फिर सामने आई है। बाइडन के दिल की बात व्हाइट हाउस की ओर से जारी किए गए आधिकारिक बयान में कही गई है। इससे पहले भी जो बाइडन भारत से खुलकर रूस का विरोध करने की बात कर चुके हैं। व्हाइट हाउस की ओर से कहा गया है कि राष्ट्रपति जो बाइडन भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर इस बात का दबाव बनाएंगे कि वह यूक्रेन पर रूस के आक्रमण को लेकर कड़ा रुख अपनाएं। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव जेन साकी ने कहा कि दोनों नेताओं के बीच सोमवार को डिजिटल तरीके से एक बैठक होनी है। युद्ध पर भारत के तटस्थ रुख को लेकर अमेरिका में चिंताएं उत्पन्न हुई हैं। हालांकि, रूस ने भारत के रुख की सराहना की है। रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने इस महीने भारत की तारीफ करते हुए कहा था कि भारत ने पूरी स्थिति को समग्र तरीके से समझा है।

अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन और पीएम मोदी के बीच होने वाली डिजिटल बैठक में रूस-यूक्रेन युद्ध का भी एजेंडा उठ सकता है। इस मामले में अमेरिकी राष्ट्रपति भारत पर दबाव बढ़ाने की कोशिश कर सकते हैं। माना जा रहा है कि रूस-यूक्रेन युद्ध के बीच बदली स्थिति का मुद्दा भी इस बैठक में उठ सकता है। भारत ने अब तक इस युद्ध को लेकर सीधे तौर पर रूस के खिलाफ किसी प्रकार का बयान नहीं दिया है। साकी ने एक बयान में कहा कि बाइडन इस बात पर चर्चा करेंगे कि यूक्रेन पर रूस के आक्रमण के कारण किस तरह दुनियाभर में खाद्य आपूर्ति और बाजार अस्थिर हो गए हैं। उन्होंने कहा कि साथ ही बाइडन वैश्विक अर्थव्यवस्था को मजबूत करने की जरूरत पर भी बात करेंगे।

भारत कनाडा को निर्यात करेगा केला और बेबी कॉर्न

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारत से कनाडा को ताजा केला और बेबी कॉर्न निर्यात करने के लिए विदेशी बाजार तक पहुंच मिल गई है। इस कदम से केला एवं बेबी कॉर्न उगाने वाले भारतीय किसानों को लाभ होने और देश की निर्यात आय में वृद्धि होने की उम्मीद है। सरकार ने एक बयान में कहा कि कनाडा ने ताजा केले के निर्यात को तत्काल प्रभाव से मंजूरी दी है जबकि बेबी कॉर्न के निर्यात की खेप इस महीने से शुरू हो जाएगी। कृषि सचिव मनोज आहूजा और कनाडा के उच्चायुक्त एचई कैमरून मैके के बीच हाल ही में बातचीत के बाद यह फैसला लिया गया। भारत द्वारा ताजा केले के लिए उपलब्ध कराई गई तकनीकी जानकारी के आधार पर कनाडा ने कनाडा में भारतीय केले के प्रवेश को तत्काल प्रभाव से मंजूरी दे दी है।

चीन ने रूस के सहयोगी सर्बिया को गोपनीय तरीके से सप्लाई की हवा में मार करने वाली एचक्यू-22 मिसाइल

बेलग्रेड (ईएमएस)। अमेरिका से तनातनी के बीच चीन ने रूस के सहयोगी देश सर्बिया को इस हफ्ते के अंत में आधुनिक विमान रोधी प्रणाली एचक्यू-22 की आपूर्ति की है। चीन ने यह डील काफी गुपचुप तरीके से की थी। माना जा रहा है कि अमेरिका समेत पश्चिमी देशों को यूक्रेन युद्ध में व्यस्त देख चीन ने इन हथियारों की सप्लाई की है। कुछ समय पहले ही पश्चिमी देशों ने सर्बिया को हथियार दिए जाने पर चिंता जताई थी। उन्होंने दावा किया था यूक्रेन युद्ध के बीच सर्बिया जैसे देश को हथियारों की आपूर्ति करने से क्षेत्र की शांति और सुरक्षा को खतरा पैदा हो सकता है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, शनिवार तड़के चीनी वायुसेना के छह वाई-20 मालवाहक विमान बेलग्रेड के हवाई अड्डे पर उतरे, जिसके जरिये कथित तौर पर सर्बिया की सेना के लिए एचक्यू-22 जमीन से हवा में मार करने वाली मिसाइल प्रणाली की आपूर्ति की गई। सैन्य साजो-सामान वाले चीनी मालवाहक विमानों के बेलग्रेड के निकोला टेस्ला हवाई अड्डे पर उतरने की तस्वीरें सामने आई हैं।

वारजोन ऑनलाइन पत्रिका ने चीन के वाई-20 मालवाहक विमानों की यूरोप में उपस्थिति को नया घटनाक्रम करार दिया। इस संबंध में पूछे गए सवाल पर सर्बिया के रक्षा मंत्रालय ने कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। चीन और सर्बिया के संबंध काफी पुराने हैं। गृहयुद्ध के समय से ही चीन ने सर्बिया की मदद की है, जबकि अमेरिका के साथ इनके संबंध तनावपूर्ण हैं। चीन का एचक्यू-9 मीडियम और लॉन्ग रेंज का सरफेस टू एयर मिसाइल डिफेंस सिस्टम है। एचक्यू-22 को चीन के पुराने एचक्यू-2 मिसाइल को अपग्रेड कर बनाया गया है। एचक्यू-22 को चीन की जियांगन स्पेस इंडस्ट्री ने बनाया है। यह कंपनी को बेस 061 के नाम से भी जाना जाता है जो चाइना एयरोस्पेस साइंस एंड इंडस्ट्री कॉर्पोरेशन लिमिटेड का एक हिस्सा है। चीन ने इस मिसाइल सिस्टम को 2016 में जुहाई एयरशो में पहली बार सार्वजनिक रूप से इख-3 के उन्नत संस्करण के रूप में प्रदर्शित किया था। एचक्यू-22 मिसाइल सिस्टम की रेंज 170 किलोमीटर है। इस मिसाइल का वजन 300 किलोग्राम और लंबाई सात मीटर है।

सेंसेक्स 483 अंक टूटा, 17700 के नीचे बंद हुआ निफ्टी

अप्रैल के अंत या मध्य में आ सकता एलआईसी का आईपीओ

मुंबई (ईएमएस)। सप्ताह के पहले कारोबरी दिन सोमवार को शेयर बाजार की शुरुआत लाल निशान पर हुई। बीएसई का सेंसेक्स 203 अंक टूटकर 59,244 पर खुला। वहीं एनएसई के निफ्टी ने 46 अंक या 0.26 फीसदी गिरावट के साथ 17,738 पर कारोबार की शुरुआत की। कारोबार के अंत में सेंसेक्स 482.61 अंक यानी 0.81 फीसदी की गिरावट के साथ 58,964.57 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं निफ्टी 109.40 अंक यानी 0.62 फीसदी टूटकर 17,674.95 के स्तर पर बंद हुआ।

इसके पहले शुक्रवार को कारोबार के अंत में सेंसेक्स 412.23 अंक बढ़त के साथ 59,447.18 के स्तर पर बंद हुआ था। वहीं निफ्टी 144.80 फीसदी की मजबूती के साथ 17,784.35 के स्तर पर बंद हुआ था। बता दें कि देश की सबसे बड़ी इंश्योरेंस कंपनी एलआईसी के आईपीओ को लाने के लिए सरकारी अधिकारियों ने मंत्रियों के शीर्ष समूह को अप्रैल के मध्य या अंत की तारीखों का सुझाव दिया है। मंत्रियों के इस समूह में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण, सड़क व परिवहन मंत्री नितिन गडकरी और वाणिज्य व उद्योग मंत्री पीयूष गोयल शामिल हैं।

बाजार जानकार ने कहा, यूरोपीय केंद्रीय बैंक (ईसीबी) की बैठक, अमेरिकी मुद्रास्फीति के आंकड़े और कंपनियों के चौथी तिमाही के वित्तीय परिणामों की घोषणा से पहले निवेशकों ने सतर्क रुख अपनाया। मुद्रास्फीति की चिंता, अमेरिकी फेडरल रिजर्व के आक्रामक तरीके से ब्याज दर बढ़ाने के संकेत तथा भू-राजनीतिक स्थिति के कारण कमजोर वृद्धि दर की आशंका से वैश्विक बाजारों में भी गिरावट रही। अमेरिकी केंद्रीय बैंक के अधिकारियों ने संकेत दिया है कि आगामी बैठकों में नीतिगत दर को सामान्य से दोगुना बढ़ाने पर विचार किया जा सकता है। उन्होंने यह भी संकेत दिया कि फेडरल रिजर्व खरीदे गये बांड को बाजार में निकाल सकता है। इससे वाणिज्यिक कर्ज की दरें बढ़ेंगी।

एशिया के अन्य बाजारों में हांगकांग का हैंगसेंग, द.कोरिया का कॉस्पी, चीन का शंघाई कंपोजिट और जापान का निक्की नुकसान में रहे। यूरोप के प्रमुख बाजारों में भी शुरुआती कारोबार में गिरावट का रुख रहा। अंतरराष्ट्रीय तेल मानक ब्रेंट क्रूड 2.38 प्रतिशत घटकर 100.3 अरब डॉलर प्रति बैरल रहा। शेयर बाजार के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों ने 575.04 करोड़ रुपये मूल्य के शेयर ब्रिकी किए।

एक करोड़ कीमत के मकानों की बिक्री में 83 फीसदी की आई तेजी:? रिपोर्ट

- मार्च तिमाही में एक से 1।5 करोड़ के अपार्टमेंट की बिक्री 3450 से बढ़कर 6187 यूनिट पहुंची

नई दिल्ली (ईएमएस)। लगातार बढ़ती महंगाई के बावजूद लोगों में बड़ा घर खरीदने का क्रेज बढ़ रहा है। इसमें कोविड-19 महामारी की भी अहम भूमिका है। महामारी के बाद लोग पहले के मुकाबले बड़ा और उन जगहों पर घर खरीदना चाहते हैं तो जहां ज्यादा भीड़-भाड़ और प्रदूषण न हो। हाल ही में आई एक रिपोर्ट में कहा गया है कि देश के सात प्रमुख शहरों में महंगे मकानों की बिक्री में तेजी से इजाफा हुआ है। एक करोड़ रुपए से ज्यादा कीमत वाले मकानों की बिक्री में सालाना आधार पर 83 फीसदी की तेजी आई है। इस दौरान मकानों की कीमतों में भी तेजी से बढ़ोतरी दर्ज की गई है। एक रिपोर्ट में कहा गया है कि इस साल जनवरी-मार्च के दौरान देश के सात प्रमुख शहरों दिल्ली-एनसीआर, मुंबई, बेंगलुरु, चेन्नई, पुणे, हैदराबाद और कोलकाता में एक करोड़ रुपए और ज्यादा कीमत के मकानों की बिक्री 83 फीसदी की बढ़ोतरी के साथ 10988 यूनिट पहुंच गई। इससे एक साल पहले की समान अवधि में यह आंकड़ा 5994 यूनिट रहा था। रिपोर्ट में कहा गया है कि इन शहरों के तिमाही बिक्री के आंकड़े सिर्फ अपार्टमेंट के हैं।

एक से 1।5 करोड़ रुपए की कीमत वाले अपार्टमेंट की बिक्री इस साल मार्च तिमाही में 3450 से बढ़कर 6187 यूनिट के स्तर पर पहुंच गई। 1।5 करोड़ रुपए से ज्यादा की कीमत वाले अपार्टमेंट की बिक्री 2544 यूनिट से बढ़कर 4801 यूनिट के स्तर पहुंच गई। रिपोर्ट के मुताबिक बेंगलुरु में अपार्टमेंट की बिक्री 5216 यूनिट से बढ़कर 12202 यूनिट पहुंच गई। मुंबई में 11648 अपार्टमेंट बिके, जबकि एक साल पहले की समान अवधि में यह आंकड़ा 5779 यूनिट था। पुणे में बिक्री 3680 से बढ़कर 8098 यूनिट पहुंच गई, जबकि दिल्ली-एनसीआर बिक्री 5448 से बढ़कर 8633 यूनिट रही। हैदराबाद में यह आंकड़ा 3709 से बढ़कर 4012 पहुंच गया, जबकि चेन्नई में मांग 3200 से बढ़कर 3450 यूनिट पहुंच गई। कोलकाता में इस दौरान कुल 3806 अपार्टमेंट बिके, जबकि एक साल पहले की समान अवधि में यह आंकड़ा 1320 यूनिट था।

सोना 59 रुपये की तेजी के साथ 51,787 रुपये प्रति 10 ग्राम

मुंबई (ईएमएस)। मजबूत हाजिर मांग के कारण सटोरियों ने ताजा सौदों की लिवाली की, इससे वायदा कारोबार में सोमवार को सोने का वायदा भाव 59 रुपये की तेजी के साथ 52,130 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गया। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज में सोने का जून डिलीवरी वाले अनुबंध का भाव 59 रुपये या 0.11 प्रतिशत की तेजी के साथ 52,130 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गया। इसमें 18,196 लॉट के लिए कारोबार हुआ। बाजार विश्लेषकों ने कहा कि कारोबारियों द्वारा ताजा सौदों की लिवाली के कारण सोना वायदा कीमतों में तेजी आई। वैश्विक स्तर पर न्यूयॉर्क में सोना 0.18 प्रतिशत की तेजी के साथ 1,949.10 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रहा था।

सत्ता जाते ही इमरान समर्थक सेना प्रमुख बाजवा पर भड़के, लगाए 'चौकीदार चोर है' के नारे

इस्लामाबाद (ईएमएस)। सत्ता के बेदखल होते ही पाकिस्तान में इमरान खान का पार्टी पीटीआई के समर्थक सेना प्रमुख जनरल कमर जावेद बाजवा पर बुरी तरह से भड़क गए हैं। पीटीआई की एक रैली में जनरल बाजवा के खिलाफ 'चौकीदार चोर हैं' के नारे लगाए गए हैं। इसी नारे को भारत में सबसे पहले कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ लगाया था। अब पीटीआई के समर्थक इमरान खान को सत्ता से हटाने पर पाकिस्तानी सेना के खिलाफ इसी नारे का इस्तेमाल कर रहे हैं। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत के लाल हवेली इलाके में जमा भीड़ ने पाकिस्तान सेना को चौकीदार की संज्ञा दी और उसे 'चोर' करार दिया। इस दौरान पूर्व गृहमंत्री और सेना के करीबी शेख रशीद रैली को संबोधित कर रहे थे। इस घटना के वीडियो से नजर आ रहा है कि शेख रशीद ने प्रदर्शनकारियों को सेना के खिलाफ नारेबाजी से रोकने का प्रयास भी किया। उन्होंने कहा, 'नारेबाजी नहीं करें।।।हम शांति से लड़ेंगे।'

अविश्वास प्रस्ताव की ओर इशारा करते हुए शेख रशीद ने पीटीआई समर्थकों से कहा कि अगर आप अपने देश को बचाना चाहते हैं तो फैसले गुपचुप तरीके से न लें। उन्होंने कहा कि लाल हवेली से हर दिन जेल भरो अभियान के लिए तैयार रहें। शेख रशीद ने कहा कि हम सभी सिंधी लोगों से कहेंगे कि विपक्षी नेता चोर, डकैत और लुटेरे हैं।' इससे पहले शेख रशीद ने रविवार को घोषणा की कि पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के सभी सदस्य नेशनल असेंबली से इस्तीफा दे देंगे। एक रिपोर्ट के अनुसार, शेख रशीद ने एक बयान में कहा कि वे राष्ट्रीय राजकोष के चोरों और लुटेरों के साथ नेशनल असेंबली में नहीं बैठ सकते।

यूक्रेन की अर्थव्यवस्था में इस साल आ सकती है 45 प्रतिशत गिरावट: बर्ल्ड बैंक

- रूस पर प्रतिबंध दुनिया भर की अर्थव्यवस्थाओं को कर रहे हैं प्रभावित

वाशिंगटन (ईएमएस)। यूक्रेन-रूस युद्ध की वजह से यूक्रेन की अर्थव्यवस्था में इस साल अनुमानित रूप से 45.1 प्रतिशत की गिरावट आने की उम्मीद है। यह बात वर्ल्ड बैंक के हाल ही में कही गई है। वर्ल्ड बैंक का कहना है कि यूक्रेन के खिलाफ युद्ध और रूस पर प्रतिबंध दुनिया भर की अर्थव्यवस्थाओं को प्रभावित कर रहे हैं। यूरोप और मध्य एशिया क्षेत्र में उभरते बाजार और विकासशील देशों को इसका खामियाजा भुगतना पड़ सकता है। वर्ल्ड रूस के हमले ने यूक्रेन में व्यवसायों को बंद होने, निर्यात को घटाने और उत्पादक क्षमता को नष्ट करने के लिए मजबूर किया है। वर्ल्ड बैंक के मुताबिक, अमेरिका और उसके पश्चिमी सहयोगियों द्वारा लगाए गए प्रतिबंधों से प्रभावित, रूस की अर्थव्यवस्था पहले ही एक गहरी मंदी की चपेट में आ गई है। 2022 में इसके उत्पादन में 11.2 प्रतिशत की कमी आने का अनुमान है। वर्ल्ड बैंक के पूर्वी यूरोप क्षेत्र, जिसमें यूक्रेन, बेलारूस और मोल्दोवा शामिल हैं, इस साल युद्ध के झटके और व्यापार में व्यवधान के कारण जीडीपी में 30.7 प्रतिशत की गिरावट देख सकते हैं। यूरोप और मध्य एशिया क्षेत्र की अर्थव्यवस्था इस साल 4.1 प्रतिशत गिरने का अनुमान है। युद्ध के पूर्व इसमें 3 प्रतिशत की वृद्धि का अनुमान था।

यूरोप और मध्य एशिया के लिए वर्ल्ड बैंक के एक अर्थशास्त्री ने कहा ?कि यूक्रेन युद्ध और महामारी ने एक बार फिर दिखाया है कि संकट व्यापक आर्थिक क्षति का कारण बन सकते हैं और प्रति व्यक्ति आय और विकास लाभ के वर्षों को पीछे छोड़ सकते हैं। वर्ल्ड बैंक की ओर से कहा गया कि युद्ध ने एक तेज वैश्विक मंदी, बढ़ती मुद्रास्फीति व कर्ज, और गरीबी के स्तर में वृद्धि की बढ़ती चिंताओं में और इजाफा कर दिया है। युद्ध, यूरोप और मध्य एशिया की उभरती और विकासशील अर्थव्यवस्थाओं के सामने भी कड़ी चुनौती पैदा कर रहा है। यह एक ऐसा क्षेत्र है, जो पहले से ही इस साल महामारी के प्रभावों से आर्थिक मंदी की ओर बढ़ रहा था। रूस और यूक्रेन के अलावा, बेलारूस, मोल्दोवा और ताजिकिस्तान के भी इस साल मंदी की चपेट में आने का अनुमान है। युद्ध की वजह से और यूरो क्षेत्र, कमोडिटी, ट्रेड में उम्मीद से कम ग्रोथ और फाइनेंसिंग झटकों के कारण सभी अर्थव्यवस्थाओं में विकास अनुमानों को घटाया गया है।

स्पेक्ट्रम कीमतें बाजार के हालात को देखते हुए तय किया जाना चाहिए: सीओएआई

नई दिल्ली (ईएमएस)। दूरसंचार ऑपरेटरों के संगठन सीओएआई ने कहा है कि स्पेक्ट्रम की कीमतों को बाजार के हालात को ध्यान में रखते हुए तय किया जाना चाहिए क्योंकि 5जी प्रौद्योगिकी को अपनाने पर कंपनियों को भारी निवेश करना पड़ेगा। भारतीय सेल्युलर ऑपरेटर संघ (सीओएआई) के एक व?रिष्ठ अ?धिकारी ने कहा ?कि 5जी तकनीक अपनाने पर दूरसंचार कंपनियों को शुरुआती दौर में बड़ा पूंजी निवेश करना होगा जबकि उन्हें उपयोगकर्ताओं से मिलने वाला शुल्क शुरुआत में कम ही होगा। उन्होंने कहा कि ऐसी स्थिति में इस बार स्पेक्ट्रम की कीमतें ऊंची रखने पर दूरसंचार कंपनियों की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। अगर दूरसंचार कंपनियों को स्पेक्ट्रम के लिए ऊंची कीमत देनी पड़ती है, तो वे मुश्किल में फंस सकती हैं।

भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) 5जी स्पेक्ट्रम की कीमतों के संदर्भ में अपनी सिफारिशें जल्द ही पेश करने वाला है। इसमें आगामी नीलामी प्रक्रिया से जुड़ी व्यवस्थाओं एवं तरीकों का भी उल्लेख होगा। रिलायंस जियो, भारती एयरटेल और वोडाफोन-आइडिया की भागीदारी वाले संगठन सीओएआई का मानना है कि 5जी तकनीक आने से उद्योगों को जो लाभ होंगे वे स्पेक्ट्रम नीलामी से होने वाले फायदों को पीछे छोड़ देंगे। ऐसी स्थिति में सरकार को स्पेक्ट्रम नीलामी को दीर्घकालिक संदर्भ में देखना चाहिए। उन्होंने कहा ?कि सरकार को नीलामी एवं इसकी कीमत से संबंधित मसले को व्यापक रूप में और दीर्घकालिक नजरिए से देखना चाहिए। उसे स्पेक्ट्रम की कीमत ऐसी रखनी चाहिए जो बाजार परिस्थितियों के लिहाज से ठीक हो।

क्रिप्टो बाजार में भारी गिरावट

नई दिल्ली (ईएमएस)। क्रिप्टो बाजार में सोमवार को भारी गिरावट देखने को मिली। ज्यादातर क्रिप्टोकरेंसियों के दाम में गिरावट देखने को मिल रही हैं। इसमें दुनिया की सबसे लोकप्रिय बिटक्वाइन और इथेरियम से लेकर शीबा इनु और लाइटक्वाइन तक सभी की कीमत घटी है। दुनिया की सबसे लोकप्रिय क्रिप्टोकरेंसी बिटक्वाइन के दाम में गिरावट आई है और इसका दाम 27,459 रुपए कम होकर 33,88,079 रुपए पर आ गया है। इस कीमत पर इसका बाजार पूंजीकरण भी टूटकर 61.5 खरब रुपउ पर आ गया है। क्रिप्टोकरेंसी इथेरियम के दाम में भी गिरावट देखने को मिली है और इसकी कीमत 1.94 फीसदी या 5,035 रुपए की कमी के साथ 2,55,116 रुपए पर आ गई है। इस डिजिटल करेंसी का बाजार पूंजीकरण भी गिरकर 29.6 खरब रुपए रह गया है। टेथर क्वाइन एकमात्र ऐसी डिजिटल करेंसी ऐसी है जो हरे निशान पर कारोबार कर रही है। इसमें 0.65 फीसदी की तेजी देखने को मिल रही है। इस बढ़त के साथ इसका दाम बढ़कर 80.60 रुपए पर पहुंच गया। बिनांस क्वाइन का दाम 2.47 फीसदी टूटकर 33,338 रुपए, कार्डानो की कीमत 2.66 फीसदी कम होकर 81.84 रुपए, डॉजक्वाइन का भाव 1.09 फीसदी टूटकर 11.82 रुपए पर आ गया है।

यूक्रेन ने रूसी मिसाइलों से लदे ट्रक को बनाया निशाना

कीव (ईएमएस)। यूक्रेन-रूस की युद्ध के 47वें दिन तक व्लादिमीर पुतिन की सेना कीव पर विजय नहीं पा पाई है, जिसके चलते अब उसने अपनी योजना को बदल लिया है। ताजा जानकारी के मुताबिक, रूसी सेना का बड़ा काफिला अब इज़्युम शहर और नीपर नदी के आसपास देखा गया है। अमेरिकी विशेषज्ञों का कहना है कि रूस का 12.8 किलोमीटर का लंबा काफिला इज़्युम शहर की तरफ बढ़ रहा है।

दूसरी तरफ यूक्रेन रूसी हमलों का करारा जवाब दे रहा है। ताजा जानकारी के मुताबिक, बश्तांका में यूक्रेन ने रूसी ट्रक पर मिसाइल अटैक किया है। यह हमला क्रूज मिसाइल से भरे रूसी ट्रक पर किया गया है। खबरों के मुताबिक, अमेरिकी विशेषज्ञों को अंदेशा है कि रूस नीपर नदी के आसपास बड़े हमले की प्लानिंग में है। एक्सपर्ट का यह दावा पुख्ता लग रहा है। क्योंकि हाल ही में सैटेलाइट इमेज में एक 12.8 किलोमीटर लंबा रूसी सेना का काफिला देखा गया था। तस्वीरों के साथ दावा किया गया कि पुतिन की सेना का यह काफिला इज़्युम शहर की तरफ ही बढ़ रहा है। इज़्युम में अब तक यूक्रेनी सेना रूस को कड़ी टक्कर दे रही है। बीते दिनों यूक्रेनी सेना ने रूस की सेना के खिलाफ पहली बार टीओएस -1ए ठसोलनटियोपैकठ का इस्तेमाल किया था। यह उनकी काफी पावरफुल तोप मानी जाती है।

इज़्युम शहर खारकीव के दक्षिण-पूर्व में स्थित है। खारकीव पर हमलों की स्पीड बढ़ाने के लिए भी रूसी सेना इज़्युम का इस्तेमाल करना चाहती है। यूक्रेन ने तब दावा किया था कि खारकीव पर हवाई हमलों के साथ-साथ रूस इज़्युम शहर में और फौज को भेज रहा है। इस बीच ही रूस के लंबे काफिले की सैटेलाइट इमेज सामने आई। इज़्युम शहर के टीवी टॉवरों को रूस ने हवाई हमलों से तबाह कर दिया था, जिसकी तस्वीरें भी सामने आई थीं। यूक्रेन की मिलिट्री की बात करें तो इस वक्त उनका कॉन्फिडेंस लेवल हाई है। उनका दावा है कि कीव और पूर्वोत्तर के बाकी शहरों को कब्जाने में रूस फेल हो गया है, जिसके बाद उसने अपना रुख पूर्वी यूक्रेन की तरफ कर लिया है। यह डोनबास का इलाका है, जहां रूस समर्थित अलगाववादी संगठन पिछले 8 सालों से यूक्रेनी सेना से लड़ रहे हैं। इसी क्षेत्र के दो इलाकों (दोनेत्स्क और लुहांस्क) को रूस ने युद्ध शुरू होने से पहले ही अलग देश के रूप में मान्याता दी थी। युद्ध के 46 दिन बीत जाने के बाद भी रूस-यूक्रेन की जंग खत्म होने के आसार नहीं दिख रहे हैं। यूक्रेन का दावा है कि अब तक वह रूस के 20 हजार सैनिकों को मार चुका है। दूसरी तरफ युद्ध से यूक्रेन को भी काफी नुकसान हुआ है। वहां के कई शहरों को रूस ने बर्बाद कर दिया है। अबतक 45 लाख यूक्रेनी देश छोड़कर दूसरे देशों में जा चुके हैं।

अमेरिका में नाइट क्लब में गोलीबारी दो लोगों की मौत 10 अन्य घायल

वाशिंगटन (ईएमएस)। अमेरिका में लोवा प्रांत के सीडर रैपिड्स स्थित नाइट क्लब में देर रात गोलीबारी में दो लोगों की मौत हो गई और 10 अन्य घायल हो गए। अधिकारियों ने इसकी जानकारी दी। पुलिस ने कहा कि गोलीबारी देर रात लगभग 1:30 बजे टैबू नाइटक्लब और लाउंज में हुई और शहर में गश्त कर रहे अधिकारी तुरंत वहां पहुंच गए। पुलिस ने यह नहीं बताया कि गोलीबारी की घटना में संदिग्ध एक था या एक से अधिक थे। पुलिस ने नहीं बताया कि गोलीबारी का कारण क्या था और उन्होंने किसी को गिरफ्तार किया है या नहीं। पुलिस ने हालांकि कहा कि जनता के लिए कोई खतरा नहीं है। पुलिस ने पीड़ितों के नाम या घायलों की स्थिति का भी खुलासा नहीं किया। क्लब के मालिक, मॉड विलियम्स ने सीडर रैपिड्स गजट को बताया कि उन्हें गोलीबारी के बारे में अधिक जानकारी नहीं है। मेयर टिफ़नी ओडॉनेल ने इस घटना की निंदा की और पुलिस की प्रतिक्रिया की सराहना की।

इस्लामी देश सऊदी अरब ने किया ऐलान- रमजान के दौरान खले रहेंगे स्कूल, लोग नाराज

दुबई (ईएमएस)। इस्लामी देश सऊदी अरब में शिक्षा मंत्रालय ने एक अहम फैसला करते हुए ऐलान किया है कि रमजान के दौरान स्कूल खुले रहेंगे। सरकार के इस फैसले ने देश के कई लोगों को नाराज कर दिया है। सोशल मीडिया पर हाल ही में एक वीडियो भी वायरल हुआ है जिसमें एक स्कूली छात्र शिक्षा मंत्री डॉ. हमद अल-अशेख से रमजान के दौरान स्कूलों को बंद रखने की बात कह रहा है। सऊदी अरब में 15 सालों बाद ये हो रहा है कि रमजान के दौरान स्कूलों को खुला रखा जा रहा है।

सऊदी अरब में दो सेमेस्टर की जगह अब तीन सेमेस्टर का शैक्षणिक वर्ष शुरू किया गया है। इसे लेकर घोषणा की गई है कि सऊदी अरब के छात्रों को ईद की 12 दिनों की छुट्टी से पहले महीने के 24 दिन स्कूल आना होगा। रमजान के शुरू होने से पहले सऊदी शिक्षा मंत्रालय ने स्कूलों को खोले जाने और उनके समय में बदलाव को लेकर जानकारी दी थी। मंत्रालय ने कहा था कि स्कूल सुबह 9-10 बजे के बीच शुरू होंगे और प्रत्येक क्लास का समय 35 मिनट का होगा। हालांकि, मंत्रालय ने सभी शिक्षा विभागों को ये तय करने का अधिकार दिया है कि स्कूल कब से शुरू होंगे। मंत्रालय ने अपनी घोषणा में कहा कि छात्रों के लिए ईद-उल-फितर की छुट्टी 26 अप्रैल से शुरू होगी।रमजान के महीने से स्कूलों को खोले जाने को लेकर एक छात्र ने सऊदी के शिक्षा मंत्री से सवाल कर लिया जिसके बाद से ही सोशल मीडिया पर स्कूलों को बंद करने को लेकर चर्चा गर्म हो गई है।

दरअसल, प्रतिभाओं की खोज के लिए एक देशव्यापी टूर्नामेंट थर्ड स्कूल लीग के उद्घाटन समारोह के दौरान, एक छात्र ने शिक्षा मंत्री डॉ हमद अल-अशेख से पूछा कि क्या रमजान के दौरान स्कूलों को बंद करना संभव है? मंत्री ने कहा कि ऐसा संभव नहीं है। बच्चे ने तर्क दिया कि रमजान के दौरान स्कूल आना थका देने वाला होता है।जवाब में मंत्री ने छात्र से कहा, 'रमजान में स्कूल आना भी ठीक वैसे ही होता है जैसे अन्य दिनों में आप स्कूल आते हैं।' दोनों की ये बातचीत सोशल मीडिया पर देखते ही देखते वायरल हो गई और लोग स्कूल बंद करने के पक्ष में तर्क देने लगे। सोशल मीडिया पर कई लोगों ने कहा कि रमजान के दौरान स्कूलों को बंद कर देना चाहिए क्योंकि इससे छात्रों और शिक्षकों, दोनों का प्रदर्शन प्रभावित होगा।

एक अखबार के एक कॉलमिस्ट का भी मानना है कि रमजान के दौरान स्कूलों को बंद ही रखना चाहिए। उन्होंने कहा, 'शिक्षक और छात्र दोनों इस बात से सहमत हैं कि रमजान में पढ़ना और पढ़ाना, दोनों के लिए पढ़ाई की प्रक्रिया में एक बाधा उत्पन्न करती है। कुछ लोग अतार्किक विचारों के आधार पर रमजान में स्कूलों को खोलने की आवश्यकता को उचित ठहरा सकते हैं। लेकिन ऐसी अनुचित तुलना करते समय कई बातों पर विचार किया जाना चाहिए।' वहीं कुछ लोगों का कहना है कि इतने समय तक बच्चों को शिक्षा से दूर करना सही नहीं है। उनका कहना है कि मंत्रालय को ऑनलाइन क्लासेज के माध्यम से स्कूलों को जारी रखना चाहिए।

पीएम पद के लिए शहबाज शरीफ के चुनाव का विरोध करेगी इमरान की पार्टी, सभी सांसद देंगे इस्तीफा

इस्लामाबाद (ईएमएस)। पाकिस्तान के पीएम इमरान खान की विदाई के बाद पाकिस्तान के विपक्ष के नेता शहबाज शरीफ के सोमवार को पाकिस्तान का नए प्रधानमंत्री चुने जाने की उम्मीद है। हालांकि इस बीच इमरान खान की पार्टी पीटीआई ने कहा है कि वह इसका विरोध करेगी। इमरान खान ने कहा कि उनके सभी सांसद इस्तीफा देंगे और नए पीएम के चुनाव का बायकॉट करेंगे। इससे पहले इमरान खान के सहयोगी फवाद चौधरी ने कहा था कि पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ पार्टी के सांसद नेशनल असेंबली से इस्तीफा देंगे और आजादी के लिए लड़ेंगे। इमरान खान सहित पीटीआई के सदस्यों ने सामूहिक रूप से इस्तीफा देने और पीएम चुनाव का बहिष्कार करने का फैसला किया है। इमरान खान ने कहा, 'हम इस सदन में किसी भी हाल में नहीं बैठेंगे। मैं इन चोरों के साथ सदन में नहीं बैठूंगा।'

पाकिस्तान की नेशनल असेंबली का सत्र सोमवार को प्रधानमंत्री चुनने के लिए बुलाया गया है। पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज के अध्यक्ष 70 वर्षीय शहबाज शरीफ और पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के उपाध्यक्ष एवं पूर्व विदेश मंत्री शाह महमूद कुरैशी ने रविवार को इस पद के लिए अपने अपने नामांकन पत्र दाखिल किए हैं। सदन के नए नेता के चुनाव की प्रक्रिया रविवार को खान को अविश्वास मत के माध्यम से पद से हटाए जाने के बाद शुरू हुई। सदन का विश्वास खोने के बाद देश के इतिहास में खान ऐसे पहले प्रधानमंत्री बन गए हैं जिन्हें अविश्वास प्रस्ताव के जरिए पद से हटाया गया है। विपक्ष ने खान को पद से हटाने के लिए 174 वोट जुटाए थे। अगर वे सोमवार को भी संख्याबल दोहरा सके, तो शरीफ पाकिस्तान के अगले प्रधानमंत्री होंगे। इस बीच, संयुक्त विपक्ष द्वारा ऐतिहासिक अविश्वास प्रस्ताव के बाद रविवार को कैबिनेट डिवीजन ने संघीय मंत्रिमंडल के 52 सदस्यों को गैर-अधिसूचित कर दिया।

सभी प्रभावित होते है जलवायु , स्वास्थ्य सेवाएं एवं शिक्षा प्रणाली से

-इन मुददों को लेकर पूरी दुनिया को है गंभीर होने की जरुरत

मेलबर्न (ईएमएस)। ऐसा क्यों लगता है कि कुछ युवा अपनी बात कहने में सक्षम होते हैं, जबकि अन्य नहीं? -ये युवा अपने स्वयं के भविष्य में सक्रिय हितधारक कैसे बन सकते हैं? -इस सिलसिले को कैसे बदला जा सकता है? महत्वपूर्ण रूप से, हमने युवाओं से अपने विचारों को एक ऐसे प्रारूप में साझा करने के लिए कहा, जिसमें वे सहज महसूस करते हैं - सीधे अपने वेबकैम या फोन कैमरों से बात करके। बातचीत के सामान्य विषयों में शामिल हैं: - अभी और भविष्य में सुरक्षित काम की आवश्यकता - बेहतर मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं की आवश्यकता - स्कूल के आसपास दबाव की भावना -सुने न जाने की भावना -जलवायु परिवर्तन और ग्रह के भविष्य के बारे में चिंता।

हमने क्या किया जिन युवाओं से हमने बात की उनमें से कई स्वास्थ्य और कल्याण चुनौतियों, न्यूरो-विविधता, और पारंपरिक शिक्षा, प्रशिक्षण और रोजगार के रास्ते से भटके हुए थे। इनमें वित्तीय संघर्ष आम था। हमने युवाओं से कहा कि वह अपने योगदान को उनके कैमरा फोन या वेबकैम पर फिल्माकर अपने समुदायों और व्यापक दर्शकों से सीधे बात करें। इससे हमारे साक्षात्कारकर्ताओं से विचारों के अधिक प्राकृतिक प्रवाह में मदद मिली। हमने यूटयूब और इंस्टाग्राम पर कई वीडियो प्रकाशित किए। हमारे उदार साक्षात्कारकर्ताओं ने अपने स्वास्थ्य और कल्याण के बीच संबंधों के बारे में खुलकर बात की, और शिक्षा, काम, रिश्तों और ग्रह को लेकर - भविष्य के बारे में अपनी आशाओं, आकांक्षाओं और चिंताओं के बारे में बताया। युवाओं ने हमें क्या बताया उदाहरण के लिए, 16 वर्ष की रूबी को लें। वह अपने परिवार के साथ जिलॉन्ग में रहती है, काम की तलाश में है, और अपने स्थानीय टीएएफई में विक्टोरियन सर्टिफिकेट ऑफ एप्लाइड लर्निंग (स्कूल में वर्ष 11 और 12 के लिए एक विकल्प) में अध्ययन करती है। उसने हमें बताया, ''... वे ऐसे लोगों को पसंद करते हैं, जिन्हें चिंता या अवसाद है, जीने के लिए, बस सांस लें।

मुझे लगता है कि हम में से बहुत से लोगों के लिए यह काफी नहीं है। मुझे लगता है कि हमें सिर्फ कुछ बेहतर श्रोताओं की जरूरत है और मुझे लगता है कि हमें कुछ ऐसे लोगों की जरूरत है जो वास्तव में परवाह करते हैं।''24 साल की एमिली जिलॉन्ग के एक शेयरहाउस में रहती है। वह सामाजिक कार्य का अध्ययन करती है और भविष्य के बारे में अनिश्चित है, ''मैं भविष्य के लिए आशान्वित होना चाहती हूं, लेकिन ईमानदारी से, मुझे नहीं पता कि मैं वास्तव में हूं या नहीं। कुछ मायनों में, मुझे लगता है कि सरकार इस बात पर ध्यान केंद्रित करती है कि मतदाता अगले चुनाव में उनसे क्या चाहते हैं।'' 2020 के दौरान, अस्टरिड, जो अब 20 वर्ष की है, अपनी मां और बिल्ली के बच्चे के साथ फिट्जरॉय में सामाजिक आवास में रह रही थी। डिस्लेक्सिया के कारण उसे कई चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। उसने हमसे कहा, ''मुझे आशा है, मेरी सबसे बड़ी आशा यह है कि वे जलवायु परिवर्तन से निपटने के तरीके निकाल लेंगे। ओह, नहीं, मैं इसे वापस लेती हूं। वे जानते हैं कि जलवायु परिवर्तन से कैसे निपटना है। मुझे आशा है कि वे ऐसा करेंगे।''''मैं यह भी आशा करती हूं कि जो लोग समुदाय चला रहे हैं वे इस तथ्य पर ध्यान दें कि युवा लोग इसमें अपनी अधिक भागीदारी चाहते हैं। और एक ऐसी जगह जहां उन्हें लगता है कि वे स्वयं हो सकते हैं।''

कुछ युवा हाशिये पर क्यों दिखते हैं? बहुत बार, सार्वजनिक प्रवचनों और मीडिया आख्यानों में उजागर की गई युवा आवाज़ें एक ऐसी प्रणाली के सुशिक्षित, अक्सर निजी रूप से शिक्षित लाभार्थी होते हैं, जो गरीबी या विकलांग ता से पीड़ित लोगों को छोड़कर अमीर लोगों की सेवा करती है। कैन द सबा ल्टर्न स्पीक? शीर्षक वाले एक निबंध में भारतीय विद्वान गायत्री चक्रवर्ती स्पिवक ''पोस्टकोलोनियल'' राज्यों (जैसे भारत) और ''सेटलर कोलोन ीज'' (जैसे ऑस्ट्रेलिया) में उपनिवे शवाद की विरासतों के साथ-साथ इन संदर्भों में स्वदेशी लोगों द्वारा अनुभव किए गए नुकसान की बात करती हैं।

हिम्मतनगर व खंभात में हिंसा के मामले में 40 गिरफ्तार

अहमदाबाद। गुजरात के हिम्मतनगर व खंभात में रामनवमी की शोभायात्रा पर पथराव, आगजनी व हिंसा के मामले में गृह राज्यमंत्री हर्ष संघवी ने बीती रात पुलिस महानिदेशक व अन्य आला अधिकारियों के साथ बैठक कर स्थिति की समीक्षा की। वीडियो कॉन्फ्रेंस कर उन्होंने हिम्मतनगर रेंज पुलिस महानिरीक्षक से बात कर घटना की गहराई से तहकीकात करने के निर्देश दिए। दोनों घटनाओं में पुलिस करीब 40 लोगों की धरपकड़ कर पूछताछ कर रही है। उत्तर गुजरात के साबरकांठा जिले के हिम्मतनगर व आणंद के खंभात में रविवार को रामनवमी की शोभायात्रा पर पथराव के चलते तनाव पैदा हो गया था। हिम्मतनगर व खंभात में उपद्रवियों ने वाहनों में आग लगाई तथा पुलिस पर हमला किया। साबरकांठा रेंज पुलिस महानिरीक्षक अभय चूडास्मा ने बताया कि इलाके में पुलिस व एसआरपी की जवान तैनात हैं, एक पुलिसकर्मी को सिर में चोट लगी। जबकि आठ से 10 को मामूली चोटें आईं। अभी तक तीन एफआइआर दर्ज हुई हैं। 700 लोगों के खिलाफ केस दर्ज कर 30 आरोपितों की धरपकड़ कर पूछताछ की जा रही है। चूडास्मा ने बताया कि अभी तक इस घटना की पूर्व साजिश के कोई सबूत नहीं मिले हैं।

गृह राज्यमंत्री संघवी ने चूडास्मा से वीडियो कॉन्फ्रेंस पर बात कर घटना की गहराई से जांच करने के निर्देश दिए। संघवी ने कहा हिम्मतनगर शहर में कभी सांप्रदायिक घटना नहीं हुई अचानक पथराव व आगजनी के पीछे किसकी साजिश है गहराई से पता लगाएं। जिला कलक्टर व रेंज आईजी की मौजूदगी में शांति समिति की भी बैठक हुई, जिसमें हिम्मतनगर के गणमान्य लोगों ने भाग लिया तथा इलाके में शांति व्यवस्था के लिए प्रशासन के साथ मिलकर काम करने का भरोसा दिया। हिम्मतनगर व खंभात में रामनवमी की शोभायात्रा पर पथराव आगजनी व हिंसा के मामले में पुलिस करीब 40 लोगों की धरपकड़ कर पूछताछ कर रही है। साबरकांठा रेंज पुलिस महानिरीक्षक अभय चूडास्मा ने बताया कि इस मामले में पूर्व साजिश के संकेत नहीं मिले हैं।

आणंद खंभात रेंज के पुलिस महानिरीक्षक वी चंद्रशेखर ने बताया कि दो प्राथमिकी दर्ज कर अब तक नौ लोगों की धरपकड़ की जा चुकी है। इस घटना की पूर्व नियोजित साजिश के सबूत मिले हैं, हिंसा व आगजनी मामले में दो एफआइआर दर्ज कर एक हजार लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। इस घटना में एक की मौत हुई तथा कइयों को चोटें लगी है।

हड़ताल से पहले दो हिस्सों में बंटा रिक्शा चालक संघ

अहमदाबाद, ११ अप्रैल।

अब पेट्रोल-डीजल के बाद सीएनजी की कीमतों में होने वाली वृद्धि के खिलाफ रिक्शा चालक संघ ने हड़ताल पर जाने का फैसला किया है। अब लेकिन हड़ताल से पहले ही रिक्शा चालक संघ में फूट पड़ गई है। अहमदाबाद के चार महत्वपूर्ण ऑटोरिक्शा चालक संघों ने हड़ताल में शामिल नहीं होने का फैसला किया है। अब उन्होंने इस फैसले के साथ सोमवार को अहमदाबाद कलेक्टर को आवेदन पत्र भी सौंप दिया गया है। अब याचिका में चार ऑटोरिक्शा चालक यूनियन ने मोटर व्हीकल एक्ट की धारा ६७ को निरस्त करने की अपील की है। अब अगर ईंधन के दाम बढ़े तो रिक्शा चालकों को उनकी जरूरत के हिसाब से कीमत बढ़ाने की इजाजत दी जा सके। अब इसके अलावा संघ से जुड़े लोगों ने आवेदन पत्र देकर कलेक्टर से मांग की है कि जिस तरीके से स्कूल रिक्शा और बस चालक खुद किराया तय कर लेते हैं उसी तर्ज पर उनको भी किराया तय करने की छूट दी जाए। अब आवेदन में यह भी आरोप लगाया गया है कि यदि सीएनजी की कीमत समय समय पर बढ़ती है, तो सरकार से न्यूनतम रिक्शा किराया बढ़ाने का अनुरोध करना होगा। अब जब भी ईंधन की कीमतें बढ़ती हैं तो लेभागू यूनियन ट्रस्ट, संगठन, राजनेता हड़ताल के नाम पर फायदा उठाते हैं। अब ये सभी लोग हड़ताल के हथियार का दुरुपयोग कर अपनी जेब भरते हैं। अब ऐसे अवसरवादी हड़ताल के नाम पर सस्ती लोकप्रियता हासिल कर लेते हैं। अब जिसकी वजह से ऑटोरिक्शा चालकों के हित दांव पर लग जाते हैं।

भावनगर के सरकारी स्कूल पहुंचे मनीष सिसोदिया, कहा- बैठने की व्यवस्था नहीं दीवारें भी जर्जर

अहमदाबाद,११ अप्रैल

दिल्ली के शिक्षा मंत्री मनीष सिसोदिया सोमवार को गुजरात के शिक्षा मंत्री के गृह जिले भावनगर पहुंचे, जहां एक सरकारी स्कूल का दौरा करने के बाद उन्होंने कहा कि स्कूल में छात्र छात्राओं के बैठने की व्यवस्था नहीं है तथा दीवारें भी जर्जर है। गुजरात के शिक्षा मंत्री जीतूभाई वाघाणी ने आम आदमी पार्टी की ओर से दिल्ली की स्कूल को देखने आने के लिए दिए गए न्यौते का कोई जवाब नहीं दिया था लेकिन वाघाणी के एक बयान को लेकर उठे विवाद के बाद सिसोदिया तुरंत गुजरात की स्कूल देखने आ पहुंचे। आगामी गुजरात विधानसभा के चुनाव की तैयारी में लगी आम आदमी पार्टी राज्य में शिक्षा व्यवस्था को बड़ा मुद्दा बनाना चाहती है इसलिए वह बार-बार राज्य सरकार को शिक्षा व्यवस्था और शिक्षा के स्तर पर बात करने की चुनौती देती है। हालांकि गुजरात सरकार ने भी राज्य में इस स्मार्ट एवं मॉडल स्कूल बनाने के लिए बजट का विशेष प्रावधान किया है लेकिन दिल्ली मॉडल जैसी स्कूल गुजरात में नहीं होने का डर भाजपा में भी साफ झलकता है। आम आदमी पार्टी इसी बात का लगातार फायदा उठाने की कोशिश कर रही है। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल खुद ट्वीट कर गुजरात सरकार को कटघरे में खड़ा करने का प्रयास कर चुके हैं। आम आदमी पार्टी का आरोप है कि 27 साल के शासन के बावजूद भाजपा गुजरात में शिक्षा व्यवस्था को बेहतर नहीं कर सकी।

दिल्ली के शिक्षामंत्री मनीष सिसोदिया ने गत दिनों गुजरात के शिक्षामंत्री जीतूभाई वाघाणी को दिल्ली की स्कूल देखने आने का न्यौता दिया था। वाघाणी दिल्ली तो नहीं गये लेकिन गुजरात में शिक्षा व्यवस्था पर सवाल उठाने वालों को एक बयान में यह कह दिया कि गुजरात में पले बढ़े हुए, यहां की स्कूल में पढ़े-लिखे अब यह अच्छा नहीं लगता है तो ऐसे अभिभावक अपने बच्चों के लिविंग सर्टिफिकेट लेकर किसी दूसरे राज्य या देश में चले जाएं जहां की शिक्षा उन्हें अच्छी लगती है। इस बयान पर चारों तरफ से घिरने के बाद वाघाणी ने अपने बयान को गुजरात की अस्मिता से जोड़कर कहा कि उनके बयान का गलत मतलब निकाला गया। आम आदमी पार्टी ने दिल्ली व पंजाब की तरह ही गुजरात में भी बेहतर शिक्षा और स्वास्थ्य तथा पानी व बिजली की बिल माफी जैसे वादों को लेकर माहौल बनाना शुरु कर दिया है। आप नेता शिक्षा व्यवस्था व पेपर लीक कांड को लेकर शिक्षामंत्री पर हमलावर थे जिससे परेशान होकर वाघाणी ने तल्ख बयान दिया लेकिन वह उल्टा पड़ गया। हालांकि उन्होंने बाद में पत्रकारों को बताया कि उनके कहने का आशय यह नहीं था उनके बयान को गलत अर्थ में समझा गया।

गुजरात के शिक्षामंत्री जीतूभाई वाघाणी ने गत 6 अप्रैल को राजकोट में एक स्कूल के उद्घाटन समारोह में राज्य की शिक्षा नीति की आलोचना करने वालों को पाकिस्तान प्रेमी बताते हुए कहा था कि जिन्हें राज्य की शिक्षाव्यवस्था अच्छी नहीं लगती ऐसे अभिभावक अपने बच्चों के स्कूल से लिविंग सर्टिफिकेट लेकर उन्हें पढ़ाने के लिए दूसरे देश या राज्य में जा सकते हैं। गौरतलब है कि बीते कुछ माह से राज्य की शिक्षा व्यवस्था व स्तर को लेकर सरकार की टीका टिप्पणी की जा रही है। दिल्ली व पंजाब के मुख्यमंत्रियों की हाल ही गुजरात यात्रा के बाद से आम आदमी पार्टी शिक्षा को मुद्दा बनाने के प्रयास में है। गौरतलब है कि कुछ समय पहले अवैध रूप से कनाडा से अमेरिका में प्रवेश करते समय गुजरात के एक ही परिवार के चार लोगों की बर्फ में फंस जाने से हुई मौत की घटना के बाद तत्कालीन उपमुख्यमंत्री नितिन पटेल ने कहा था कि गुजरात में कैरियर के बेहतर मौके नहीं होने के कारण गुजरात के लोग अमरीका, ब्रिटेन आदि देशों में जाना पसंद करते हैं।

गुजरात के भरूच में बड़ा हादसाः केमिकल फैक्ट्री में विस्फोट से छह श्रमिकों की मौत

भरूच,११ अप्रैल

गुजरात के भरूच जिले के दहेज औद्योगिक क्षेत्र में एक केमिकल फैक्ट्री में रविवार देर रात हुए विस्फोट में छह श्रमिकों की दर्दनाक मौत हो गई। घटना अहमदाबाद से करीब 235 किलोमीटर दूर दहेज औद्योगिक क्षेत्र स्थित यूनिट में तड़के करीब तीन बजे हुई।पुलिस ने घटना की जांच शुरू कर दी है। मिली जानकारी के अनुसार ये आर्गेनिक केमिकल फैक्ट्री थी। रिएक्टर में विस्फोट की वजह से फैक्ट्री में आग लग गई थी। रिएक्टर के पास काम करने वाले सभी छह श्रमिकों की मौत हो गई। इनके शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है। आग पर भी काबू पा लिया गया है।ठ मिली जानकारी के अनुसर घटना में किसी के घायल होने की सूचना नहीं है। घटना की जानकारी मिलते ही दमकल एवं पुलिस विभाग मौके पर पहुंच बचाव कार्यो में जुट गए थे। इस मामले में अभी और जानकारी की प्रतीक्षा है।

गौरतलब है कि बीते वर्ष वडोदरा में झगडिया के पास गुजरात इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट कॉरपोरेशन क्षेत्र में एक केमिकल फैक्ट्री में जोरदार धमाके के बाद आग लग गई थी। धमाका इतना तेज था कि इसकी आवाज से आसपास के घरों के शीशे टूट गए थी। इस हादसे में 24 श्रमिक घायल हो गए थे, जिन्हें इलाज के लिए वडोदरा तथा अंकलेश्वर के अस्पताल में भर्ती करवाया गया था। यूपीएल कंपनी की इस फैक्ट्री में धमाके के बाद आसपास के लोग भारी संख्या में यहां एकत्रित हो गए थे।

ये धमाका यूपीएल-5 प्लांट में देर रात 2 बजे हुआ था। धमाके के साथ फैली आग की चपेट में आने से 24 श्रमिक घायल हो गए थे। इस हादसे की सूचना मिलते ही दमकल की गाड़ियां मौके पर पहुंच गई थी और काफी कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका। धमाका इतना तेज था कि दूर तक का इलाका इसकी आवाज से दहल उठा था। गहरी नींद में सो रहे लोग भी आवाज सुनकर उठ गए थे और दहशत का माहौल पैदा हो गया था।

मनुष्य और जमीन दोनों के स्वास्थ्य तथा गायों के संवर्धन के लिए लाभदायी है प्राकृतिक खेतीः मुख्यमंत्री

- मोरबी में आयोजित गौ महिमा सत्संग सभा में भूपेंद्र पटेल की प्रेरक उपस्थिति

मोरबी (ईएमएस) मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने कहा कि प्राकृतिक खेती मनुष्य और जमीन दोनों के स्वास्थ्य तथा गायों के संवर्धन के लिए लाभदायी है। उन्होंने लोगों से अनुरोध किया कि वे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की प्रेरणा से रासायनिक खाद और कीटनाशकों के इस्तेमाल से बचें और प्राकृतिक खेती को अपनाने का संकल्प लें। सोमवार को मोरबी के खोखरा हनुमान हरिहर धाम में आयोजित श्री राम कथा के अंतर्गत गौ महिमा सत्संग सभा को संबोधित करते हुए भूपेंद्र पटेल ने सभी से आह्वान किया कि 'आजादी का अमृत महोत्सव' के वर्ष में प्राकृतिक कृषि और गौ रक्षा के मार्ग पर आगे बढ़ें। उन्होंने आगे कहा कि अलग-अलग समाज, समुदाय, व्यवसाय या वर्ग से आने वाले हम सभी का ध्येय एक ही है। 'आत्मनिर्भर गुजरात से आत्मनिर्भर भारत' हमारा लक्ष्य है। इस लक्ष्य को हासिल करने में गाय आधारित प्राकृतिक खेती सहायक सिद्ध होगी। मुख्यमंत्री ने खोखरा हरिहर धाम में चल रही श्री रामकथा की वाचक संत श्री महामंडलेश्वर पूज्य मां कनकेश्वरी देवी जी को संपूर्ण भारत का नारी गौरव रत्न करार दिया। उन्होंने कहा कि मातृशक्ति के कंठ से मर्यादा पुरुषोत्तम श्री राम के जीवन चरित्र का कथन अति कल्याणकारी है।

भूपेन्द्र पटेल ने कहा कि हनुमान जी ने मातृशक्ति की सेवा में विराट रूप धारण कर लंका जला दी थी, इसलिए 108 फुट ऊंची हनुमान जी की प्रतिमा उनके उस पराक्रम का प्रतीक है। कार्यक्रम की शुरुआत में मुख्यमंत्री ने श्री राम कथा के व्यासासन पर स्थित पोथी की आरती उतार कर उसकी पूजा की। मुख्यमंत्री की विशेष उपस्थिति में शहीद वीरों के परिजनों को 1-1 लाख रुपए की सहायता के चेक सौंपे गए। गौशाला के रखरखाव के लिए बजट में 600 करोड़ रुपए का प्रावधान करने के लिए गौशाला संचालकों, गौभक्तों और पांजरापोल संचालकों ने मुख्यमंत्री का विशेष सम्मान किया। गौ महिमा सत्संग सभा में निजानंद स्वामी महाराज, चैतन्य शंभु महाराज और अन्य संत-महंतों ने आशीर्वचन दिए। सभा में रामकृष्णानंदजी महाराज, गौऋषि दत्तशरणानंदजी महाराज, महंत श्री मुक्तानंदजी बापू, कनिरामदास बापू, हरिहरानंदभारतीजी महाराज, शेरनाथजी बापू और श्रद्धानंदजी महाराज सहित बड़ी संख्या में संत-महंत, पूरे गुजरात से आए गौशाला व पांजरापोल संचालक एवं गौ भक्त उपस्थित रहे।

इस अवसर पर राज्य के उद्योग मंत्री जगदीश विश्वकर्मा, विधायक ललित कगथरा, भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय महामंत्री कैलाश विजयवर्गीय, पूर्व मंत्री जयंतीभाई कवाड़िया, सांसद मोहन कुंडारिया और विनोद चावड़ा, पूर्व विधायक कांति अमृतिया और बावनजीभाई मेतलिया, जिला भाजपा अध्यक्ष दुर्लभजी देथरिया, जिला कलक्टर जेबी पटेल, जिला विकास अधिकारी पराग भगदेव, प्रांत अधिकारी डीए झाला, अग्रणी अजय लोरिया, राघवजी गडारा और मगन वडाविया आदि उपस्थित रहे।

विधानसभा पोडियम में कस्तूर बा और सरदारसिंह राणा की जयंति पर पर्यावरण मंत्री की पुष्पाजंलि

गांधीनगर (ईएमएस) गुजरात विधानसभा के पोडियम में आज कस्तूर बा और सरदार सरदारसिंह राणा की जयंति पर उनके तैल चित्रों पर वन एवं पर्यावरण मंत्री किरीटसिंह राणा ने पुष्पाजंलि अर्पण कीं कस्तूर बा को पुष्पाजंलि अर्पण करते हुए किरीटसिंह राणा ने कहा कि कस्तूर बा गांधी प्रेम एवं समर्पणयुक्त भारत वर्ष का एक आदरपात्र व्यक्तित्व हैं कस्तूर बा ने गांधी जी के साथ संपूर्ण धैर्य से आदर्श सहधर्मचारिणी की तरह जीवनभर उनका साथ निभाया था और अन्यायपूर्ण कानून के खिलाफ संघर्ष करते हुए जेल की सजा भी काटी थीं स्वतंत्रता संग्राम के दिनों के याद करता हुए किरीटसिंह राणा ने कहा कि क्रांतिकारी स्वतंत्रता सैनानी सरदारसिंह राणा श्यामजी कृष्ण वर्मा के संपर्क में आने के बाद आजादी की लड़ाई में रंग में रंग गए थें वर्ष 1907 में जर्मनी में हुए अंतर्राष्ट्रीय समाजवादी परिषद में शामिल होकर मेडम कामा के साथ सूर्य-चंद्र के चिह्न वाले हिन्द का पहला राष्ट्रीय ध्वज फहराया थाँ इस मौके पर विधायक शंभूजी ठाकोर, विधानसभा के वरिष्ठ अधिकारी और कर्मचारियों ने भविष्य की पीढियों के लिए प्रेरणादायी दोनों महाभावों को तैलचित्र को पुष्पाजंलि अर्पण कीं

पीएम मोदी का भरुच फैक्ट्री दुर्घटना के मृतकों के परिजनों को 2-2 लाख सहायता का ऐलान

अहमदाबाद (ईएमएस) प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुजरात के भरुच की एक कैमिकल कंपनी में ब्लास्ट के बाद लगी आग में मारे गए 6 कर्मचारियों के परिजनों को रु. 2-2 लाख की सहायता राशि का ऐलान किया हैं साथ ही दुर्घटना में घायलों को रु. 50-50 की सहायता की भी घोषणा की हैं बता दें कि सोमवार तड़के भरुच जिले के दहेज स्थित एक कैमिकल कंपनी में ब्लास्ट के बाद आग लग गई थीं जिसमें 6 जितने कर्मचारियों की जिंदा जलकर मौत हो गई थीं यह घटना कंपनी मे कैमिकल प्रोसेस के दौरान हुई थीं घटना को लेकर पीएम मोदी ने मृतकों के परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की हैं साथ ही मृतकों के परिवार के लिए रु. 2-2 लाख रुपए की सहायता राशि की घोषणा की हैं पीएम मोदी ने घायलों के लिए भी रु. 50-50 हजार की मदद की घोषणा की थीं लेकिन इस घटना में कोई घायल नहीं हुआ हैं पीड़ित परिवार को सहायता राशि प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष (पीएमएनआरएफ) से दी जाएगीं

पीसीआरए के सहयोग से सक्षम 2022 लॉन्च

देश के माननीय प्रधानमंत्री श्री रेन्द्रभाई मोदी ने पेट्रोलियम उत्पादों का उत्पादन बढ़ाया है

आत्मनिर्भर भारत के सपने को साकार करने के लिए प्रतिबद्ध : मुकेश पटेल

अहमदाबाद, 11 अप्रैल, 2022: पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय, भारत सरकार के निर्देशों के अनुसार, इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड, हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड। भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड एंड गेल (इंडिया) लि. पीसीआरए (पेट्रोलियम संरक्षण और अनुसंधान संघ) जनता में तेल और गैस संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए 11.04.2022 से 30.04.2022 तक 'रक्षा क्षमता महोत्सव (सक्षम) 2022' का राष्ट्रव्यापी उत्सव आयोजित किया गया है। यह अभियान इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड, भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड, हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड और गेल (इंडिया) लिमिटेड के साथ-साथ पीसीआरए के सहयोग से चलाया गया है।

तेल और गैस संरक्षण अभियान 2022 यानी सक्षम-संरक्षण क्षमता महोत्सव 2022 का उद्घाटन आज जेबी ऑडिटोरियम, अहमदाबाद मैनेजमेंट एसोसिएशन, अहमदाबाद में माननीय कृषि, ऊर्जा और पेट्रोकेमिकल मंत्री, गुजरात, श्री मुकेश पटेल की उपस्थिति में किया गया। इस अवसर पर श्री एम. अन्ना दुरई, आईओसीएल के कार्यकारी निदेशक (गुजरात) और तेल उद्योग-गुजरात के राज्य समन्वयक, तेल उद्योग के अधिकारी, डीलर, वितरक और 350 छात्र उपस्थित थे।

गुजरात राज्य के माननीय मंत्री ने सक्षम 2022 के विषय पर बात की 'हरित और स्वच्छ ऊर्जा को अपनाएं, स्वतंत्रता के अमृत का जश्न मनाएं' और लोगों से भावी पीढ़ियों के लिए तेल और गैस संरक्षण की आवश्यकता पर जोर देने का आग्रह किया।

आईओसीएल के कार्यकारी निदेशक (गुजरात) और तेल उद्योग-गुजरात के राज्य समन्वयक श्री एम अन्ना दुरई ने इस अवसर पर मुख्य अतिथि और आमंत्रित लोगों का स्वागत किया। अपने मुख्य भाषण में उन्होंने पेट्रोलियम उत्पादों के विवेकपूर्ण उपयोग, भावी पीढ़ियों के लिए सुरक्षा और पर्यावरण की सुरक्षा के महत्व पर जोर दिया।

'आज़ादी का अमृत महोत्सव' के अंतर्गत मंगलवार को प्रभात फेरी, वृक्षारोपण तथा पशु उपचार शिविर का आयोजन

अहमदाबाद (ईएमएस) मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल 'आज़ादी का अमृत महोत्सव' के अंतर्गत 12 अप्रैल मंगल वार सुबह 6:30 बजे गांधीनगर के समीपस्थ सरढव गाँव में आयोजित प्रभात फेरी में सहभागी होंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्रभाई मोदी की प्रेरणा से मनाए जा रहे आज़ादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत 'गाँव में मनाएँ विकासोत्सव' की संकल्पना के साथ सरढव में मुख्य मंत्री भूपेंद्र पटेल की उपस्थिति में बहुविद् कार्यक्रमों का आयोजन किया गया है। पटेल सरढव गाँव की प्रभात फेरी में सहभागी होकर आत्मनिर्भर भारत की आज़ादी का गौरव गान करने के साथ-साथ ग्रामजनों में स्वतंत्रता सेनानियों के सपनों के राष्ट्र के निर्माण की जन चेतना उजागर करेंगे। मुख्यमंत्री सरढव के माध्यमिक विद्यालय की स्थापना के 80वें वर्ष पर आयोजित समारोह में उपस्थित रहेंगे। इतना ही नहीं, पटेल सरढव गाँव में प्रतीक के रूप में वृक्षारोपण करेंगे और सरढव पशु चिकित्सालय में राष्ट्रीय पशु रोग नियंत्रण कार्यक्रम के अंतर्गत आयोजित पशु टीकाकरण शिविर का शुभारंभ भी कराएँगे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल सरढव गाँव में प्राकृतिक खेती अपनाने वाले किसानों की सफलता गाथा भी जानेंगे।

नर्मदा बांध में 1221.62 एमसीएम लाइव स्टोरेज पानी, पेयजल की नहीं होगी किल्लत

अहमदाबाद (ईएमएस) भीषण गर्मी के बीच गुजरात की जीवनदायिनी नर्मदा बांध का जलस्तर 120.08 मीटर पर पहुंच गया है और यह गुजरात के लिए अच्छी खबर हैं दो साल बाद पहली अप्रैल महीने में बांध का जलस्तर 120.08 मीटर पर पहुंचा हैं नर्मदा बांध में फिलहाल 1221.62 एमसीएम लाइव स्टोरेज पानी का स्टॉक उपलब्ध है, जिससे आगामी दिनों में राज्य में पानी की किल्लत होने की कोई गुंजाईश नहीं लगतीं दरअसल बिजली आपूर्ति की मांग के कारण मध्य प्रदेश के 2 डेम के पावर हाउस पूरी ताकत के काम कर रहे हैं मध्य प्रदेश के इंदिरासागर और ओमकारेश्वर डेम के पावरहाउस चालू होने के कारण नर्मदा बांध में पानी छोड़ा जा रहा है, जिसकी वजह से गुजरात के नर्मदा बांध के जलस्तर में लगातार इजाफा हो रहा हैं अगर आगामी मान्सून में विलंब होता है तो भी नर्मदा बांध में समूचे गुजरात के लिए पर्याप्त पेयजल समेत अन्य उपयोग के लिए पानी की कोई किल्लत नहीं होगीं नर्मदा में 1221.61 एमसीएम क्यूसेक पानी का स्टॉक उपलब्ध हैं गौरतलब है कि गर्मी के महीनों में नर्मदा डेम के लिए ऊपरी हिस्से से 10 हजार मिलियन क्यूबिक मीटर पानी छोड़ा जाता है जो फिलहाल थोड़ा थोड़ा कर छोड़ा रहा हैं वर्ष 2022 की गर्मी की शुरुआत हो चुकी है और राज्य के कई इलाकों में जलसंग्रह लगातार घट रहा हैं उत्तरी गुजरात में 16.48 प्रतिशत जलराशि का संग्रह हैं मध्य गुजरात में 50.69 प्रतिशत, दक्षिण गुजरात में सबसे

प्राइमाफैशन ग्लोबल ने समकालीन मेन्सवियर ब्रांड 'टीम पेरिस' लॉन्च किया

अहमदाबाद, 11 अप्रैल, 2022: प्राइमाफैशन ग्लोबल ने आज अहमदाबाद में 'टीम पेरिस' की एक नई मेन्सवियर रेंज का अनावरण किया, जिसका उद्देश्य खुद को भारत के अग्रणी समकालीन मेन्सवियर लाइफस्टाइल ब्रांड के रूप में स्थापित करना है। यह भारतीय बाजार में प्राइमाफैशन का पहला लॉन्च है और कंपनी का लक्ष्य टीम पेरिस के माध्यम से पुरुषों के लिए उच्च गुणवत्ता वाले स्टेपल वितरित करना है।

प्राइमाफैशन ग्लोबल के सह-संस्थापक और निदेशक कैप्टन राहुल राज्यगुरु ने ब्रांड के लॉन्च पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा, कंपनी की दृष्टि भारत में महिलाओं, पुरुषों, किशोरों और बच्चों की फैशन और शैली की जरूरतों को पूरा करने के लिए विश्वसनीय ब्रांडों की एक विस्तृत श्रृंखला लॉन्च करके परिधान और सहायक उपकरण बाजार में अग्रणी बनना है। हम सावधानी से तैयार किए गए ब्रांड के लॉन्च को लेकर उत्साहित हैं जो हमारे ग्राहकों को वेयर और लक्ज़री का सही मिश्रण प्रदान करता है। मेन्स एसेंशियल वियर भारत में सबसे तेजी से बढ़ने वाला परिधान खंड है और चालू वित्त वर्ष में हमने रु. हम 75 करोड़ रुपये के निवेश के साथ इस सेगमेंट में उपलब्ध अवसरों को भुनाना चाहते हैं।

नए मेन्सवियर संग्रह का विषय भव्यता, दीर्घायु और सबसे महत्वपूर्ण आराम और फिट पर आधारित है। यह संग्रह विभिन्न रंगों और प्रिंटों के अद्भुत मिश्रण के साथ प्रीमियम फैशन को प्रदर्शित करता है। यह ब्रांड स्टाइलिश पुरुषों के क्लासिक्स को कवर करता है, जिसमें डेनिम जींस, चिनो, पोलो-टी-शर्ट, शर्ट के साथ-साथ परिष्कृत और सौंदर्यशास्त्र के साथ अधोवस्त्र का समकालीन संग्रह शामिल है। इसके अलावा, ब्रांड अंडरगारमेंट्स, मास्क, मफलर, दस्ताने, टोपी, रूमाल, बेल्ट, वॉलेट और डिओडोरेंट्स सहित कई प्रकार की एक्सेसरीज़ प्रदान करता है। विभिन्न आयु समूहों की जरूरतों को पूरा करने के लिए ब्रांड की तीन लाइनें हैं। परिधान श्रेणी रेंज रु। 499 से रु. 3,799 है। एक्सेसरीज़ श्रेणी में चमड़े की बेल्ट और पर्स शामिल हैं, जिनकी कीमत रु। 599-899 के बीच है।

अहमदाबाद मंडल के दो कर्मचारी रेल संरक्षा में उत्कृष्ट कार्य के लिए सम्मानित

अहमदाबाद मंडल के दो कर्मचारियों को मार्च 2022 के महीने में सतर्कता एवं सजगता से काम करते हुए रेल संरक्षा (सेफ्टी) में बेहतरीन कार्य करने के लिए मण्डल रेल प्रबंधक श्री तरुण जैन द्वारा प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।

वरिष्ठ मण्डल संरक्षा अधिकारी श्री ए.वी. पुरोहित के अनुसार पुरस्कार प्राप्त करने वाले कर्मचारियों द्वारा किए गये उत्कृष्ट कार्यों का संक्षिप्त विवरण इस प्रकार हैः-

श्री रविरंजन कुमार पॉइंट्स मेन दिनांक 01/01/2022 को गेट संख्या-225 पर कार्यरत डयूटि 16से 24बजे ने 17:59पर ट्रेन संख्या-श्ॐइऊ/ईऊइ/ळँ ला वा संख्या.49312गेट से गुजर रही थी। कार्यरत पॉइंट्स मेन दुवारा ऑफ साइड में पावर से 15वे वेगन ए-30079390986 में हॉट ऐक्सल देखा गया, तत्परता दिखाते पॉइंट्स मेन ने तुरंत लाल बती दिखाकर गाड़ी खड़ी करवाई जो कि लाइन-1में स्टार्टर से दो गाड़ी आगे जाकर खड़ी हो गई। हॉट एक्सेल में लगी आग को बुझाने के पश्चात क्रू कंट्रोलर ने छापी तक 15 किमी की गति से चलाने की स्वीकृत दी।

श्रीचंद्रशेखर सिंह, ट्रेन मेनेजर (गूड्स गार्ड) गांधीधाम दिनांक 23/02/2022 को गाड़ी संख्या इऊ/श्ऊण्ण लाकड़िया स्टेशन से जा रही थी ६ उस वक्त श्रीचंद्रशेखर सिंह, ट्रेन मेनेजर (गूड्स गार्ड) ने श्री राकेश रंजन, कार्यरत स्टेशन मास्टर को बताया कि, ञ्ळैंख्ंध्ठ 86381200024 (-06/22) के दोनों बोगी के सेंटरपिवोट का चारों नट-बोल्ट मिसिंग है और प्लेट भी खिसका हुआ है एवं आगे की तरफ बोगी का भी सेंटरपिवोट का दो नट-बोल्ट मिसिंग है, इसे लूप लाइन में लेकर ब्रेकवान को काटना है ६ कार्यरत स्टेशन मास्टर ने तुरंत 15:25 बजे उपरोक्त सूचना ऑन डयूटी गाड़ी नियंत्रक को दी६ गाड़ी नियंत्रक के आदेशानुसार लाइन नंबर 4 में 15:50 पर ब्रेकवान को हटाया गया ६ ब्रेकवान का शंटिंग करवाकर 17:20 बजे लाकड़िया स्टेशन से लोरवाड़ा से प्रस्थान किया गया ६ कार्यरत गार्ड ने संरक्षा सुनिश्चित करनें मैं अपनी डयूटि का निर्वहन अच्छे से किया ६

इस प्रकार श्रीचंद्रशेखर सिंह, ट्रेन मेनेजर और श्री रविरंजन कुमार पॉइंट्स मेन की सतर्कता एंव त्वरित कार्यवाही के कारण होने वाली संभावित दुर्घटना बच गई । उनका यह कार्य अत्याधिक सराहनीय एवं प्रशंसनीय है ६

गांजा तस्करी करनेवाले दो भाइयों की करोड़ों की संपत्ति सीज, एक गिरफ्तार, दूसरा फरार

सूरत (ईएमएस) शहर समेत राज्यभर में गांजा की तस्करी करनेवाले दो भाइयों की पुलिस ने करोड़ों की संपत्ति सीज कर दी हैं यह कार्यवाही सूरत पुलिस और उड़ीसा एसटीएफ द्वारा की गई हैं दो भाइयों में से एक को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया हैं जबकि दूसरा फरार है और उसे उडीसा एसटीएफ ने वांटेड घोषित कर दिया हैं जानकारी के मुताबिक उडीसा के गंजाम जिले के सचिना गांव निवासी अनिल वृंदावन पांडी और सुनील वृंदावन पांडी देशभर में गांजा सप्लाई करते हैं अपने करीबियों के जरिए पांडी बंधु देशभर में ट्रेन या ट्रक के जरिए गांजा की सप्लाय करते थें सूरत शहर और जिले के अलावा अहमदाबाद में एनडीपीएस के कई मामलों में अनिल व सुनील पांडी वांटेड हैं सूरत क्राइम ब्रांच ने गत मार्च 2021 में खास ऑपरेशन के तहत सुनील पांडी को उडीसा से गिरफ्तार कर लिया थां पहले उसे सूरत के लाजपोर जेल और बाद में अहमदाबाद की साबरमती जेल भेज दिया गया१

दुबई की पहली अरबी कंपनी ने फॉक्स इंटरनेशनल एडवाइजरी के लिए अहमदाबाद में अपना पहला कार्यालय खोला

07 अप्रैल, 2022 अहमदाबादः एशिया में, दुबई, दुनिया में सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था और दुनिया का वित्तीय केंद्र, वैश्विक निवेशक कनेक्ट, दुबई में भारतीयों की लगभग एक बड़ी उपस्थिति है। दुबई से 1700 भारतीय उड़ानें और 1.3 मिलियन भारतीय पर्यटक आते हैं। दुबई इस संबंध में, श्री अमित दाहिमा, निदेशक, एशिया पैसिफिक, फॉक्स इंटरनेशनल एडवाइजरी ने कहा, फॉक्स इंटरनेशनल एडवाइजर्स ने अहमदाबाद में अपना पहला कार्यालय खोला, फॉक्स का लक्ष्य निकट भविष्य में वडोदरा, सूरत और राजकोट में कार्यालय खोलकर गुजरात राज्य में अपनी उपस्थिति का विस्तार करना है।

फॉक्स इंटरनेशनल स्टैंडर्ड एंड स्ट्रैटेजी कंसल्टिंग सर्विसेज कंपनी का एक स्वतंत्र बुटीक है, जिसके कार्यालय दुबई, भारत और चीन में हैं। फॉक्स इंटरनेशनल ठोस ब्रांड संस्कृतियों के निर्माण के लिए अनुभव डिजाइन और नवाचार पर विशेष ध्यान देने के साथ विपणन, ब्रांड, व्यावसायिक रणनीतियों को परिभाषित करने में माहिर है।

फॉक्स न केवल आपको दुबई में एक व्यवसाय स्थापित करने के लिए प्रारंभिक सहायता प्रदान करता है बल्कि फॉक्स दुबई/यूएई में व्यवसाय/ब्रांड/कंपनियां स्थापित करने के लिए भी पूर्ण समर्थन प्रदान करता है।

फॉक्स इंटरनेशनल कंसल्टेंट में, हम दुबई, यूएई, जीसीसी और चीन में बिजनेस सेटअप के लिए आपकी वन-स्टॉप-शॉप हैं, जो 2- और 3 साल के दुबई वीजा, बिजनेस स्ट्रैटेजी, बिजनेस लोन, न्यू मार्केट / कंट्री एंट्री की पेशकश करते हैं। हमारे विशेषज्ञों को आपके सभी लेन-देन शुरू से अंत तक संभालने दें और दुबई में सर्वोत्तम ऑफ़र का आनंद लें और विश्व स्तर पर एक साथ अन्वेषण और विकास करें।

XPay.Life ने अहमदाबाद बाजार के लिए ळड्ड लॉन्च जैसे विशेष ऑफ़र दिखाए, गुजरात के लिए डिजिटल वित्तीय समावेशन के प्रति प्रतिबद्धता प्रदर्शित की

XPay.Life ने आज अहमदाबाद में एक इंटरैक्टिव मीडिया मीटिंग आयोजित की, जिसका उद्देश्य ग्राहकों को ळड्ड जैसी रोमांचक नई सेवाएं प्रदान करना और मौजूदा विशेष पेशकशों को प्रदर्शित करना है। इस कार्यक्रम में XPay.Life के संस्थापक और सीईओ रोहित कुमार और सीईओ दीपक अनंत ने भाग लिया।

Xpay.Life कई तरह के विकल्पों पर काम कर रहा है, जिसमें भुगतान विधियों को डिजिटाइज़ करना और ग्राहकों को उनके बिलों का भुगतान करने की सुविधा प्रदान करना शामिल है। यह मुख्य रूप से ग्रामीण स्तर पर स्थानीय उद्यमियों को सशक्त बनाने और अवसर प्रदान करने पर भी ध्यान केंद्रित करता है। ब्लॉकचेन ट्रांजेक्शनल फ्रेमवर्क का उपयोग करके तीन तरह से डिजिटलीकरण किया जाएगा।

दीपक अनंत, सीओओ, Xpay.Life ने कहा, ठहम गुजरात के बाजार में अपनी विशेष पेशकशों और आसान भुगतान और आम जनता के लिए अधिक वित्तीय लेनदेन के साथ आगे बढ़ने के लिए उत्साहित हैं। हम अपने भागीदारों और प्रौद्योगिकी के साथ वित्तीय समावेशन की खाई को पाटना चाहते हैं, और हमारा लक्ष्य विभिन्न प्रकार की वित्तीय पेशकशों को डिजिटाइज़ करना है।

मालिक-मुद्रक- प्रकाशक व संपादकः लक्ष्मीचंद जी. अग्रवाल द्वारा, ब्रिजाशा ऑफसेट, जी.एम. कम्पाउन्ड, सरसपुर, अहमदाबाद -380018 में मुद्रित करवा कर वहीं से प्रकाशित किया। प्रातः कालीन E-mail : janhitaishi@yahoo.co.in फोनः 079-22921482 Mob.9375504122, 9327086467 R.N.I. 63177/95